



श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 14 ज्वालियर, शुक्रवार 14 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने निकाली नौका तिरंगा यात्रा, देश सेवा का दिया संदेश

भोपाल जीएनएस

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर विशाल नौका तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यात्रा का शुभारंभ किया और खुद नौका में सवार होकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे। देशभक्ति गीतों से बोट क्लब का पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। धरती, जल और नभ तीनों जगह तिरंगे के रंग दिखाई दिए। युवा खिलाड़ियों ने कयाकिंग-कनोइंग और केनो सलालम शो के जरिए शानदार प्रदर्शन कर तिरंगे को सलाम

किया। आयोजन में तालाब के बीच फ्लोटिंग तिरंगा भी बनाया गया, जिसे देश में पहली बार किए गए ऐसे आयोजन के तौर पर बताया गया। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लोकतंत्र और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है और देश आज अपनी क्षमता और सामर्थ्य के साथ समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

डॉक्टर यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है। इससे प्रदेश में समानता का भाव मजबूत

होगा और धर्म के आधार पर लोगों के बीच कानून का अंतर नहीं रहेगा।

युवाओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए सीएम ने कहा कि संकल्प शक्ति समय के साथ चलती है। खिलाड़ियों ने तिरंगा लेकर जिस तरह साहस और कौशल का प्रदर्शन किया, वह युवाओं की क्षमता और देश के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

आज भोपाल के बोट क्लब पर चारों तरफ तिरंगा नजर आ रहा है। उन्होंने देश की समृद्धि और सामर्थ्य की कामना करते हुए सभी प्रदेशवासियों को नौका तिरंगा यात्रा की शुभकामनाएं दीं।



पार्क होटल कॉलोनी में 11 लाख रुपए की लागत से बने नवीन पार्क का लोकार्पण

ग्वालियर जीएनएस

वार्ड क्रमांक 58 के पड़ाव स्थित पार्क होटल कॉलोनी में नगर निगम द्वारा करीब 11 लाख रुपए की लागत से विकसित नवीन पार्क का शुक्रवार को लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा और एकता-अखंडता की शपथ भी दिलाई गई। नवीन पार्क का लोकार्पण पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, महाराणा प्रताप बोर्ड मध्यप्रदेश के अध्यक्ष केशव सिंह



भदौरिया, नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर, क्षेत्रीय पार्षद अर्पणा पाटिल, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, सेवानिवृत्त आईएएस विनोद शर्मा और वरिष्ठ नेता रामेश्वर भदौरिया ने संयुक्त रूप से किया।

पूर्व सांसद शेजवलकर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रभक्ति सामूहिक जिम्मेदारी हैं। पार्कों में पौधारोपण से आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण तैयार होगा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता

जु में बच्चों ने कागज पर उकेरे देशभक्ति के रंग

ग्वालियर जीएनएस

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत नगर निगम ग्वालियर की ओर से शहर में विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में शहर के करीब 25 से 30 प्राथमिक, माध्यमिक और

हाईस्कूल के लगभग 80 से 90 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने तिरंगे और राष्ट्रप्रेम से प्रेरित विभिन्न चित्रों को कागज पर उकेरकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

तिरंगे के महत्व का दिया संदेश : प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के साथ उन्हें राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के महत्व के प्रति जागरूक करना था। बच्चों ने



अपने चित्रों के माध्यम से देश के प्रति प्रेम और सम्मान की भावनाएं व्यक्त कीं। प्रतियोगिता में शामिल चित्रों का विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की जाएगी। कार्यक्रम में जू-क्यूरेटर गौरव परिहार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कहा- राम और रहीम के लिए कानून समान, लोकतंत्र को मजबूत करने आगे आए युवा

युवा संसद में बोले सीएम-राजनीति में सक्रिय भागीदारी निभाएं युवा

भोपाल जीएनएस

विधानसभा में गुरुवार को आयोजित संसद यूथ पार्लियामेंट-2026 का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम में 12 राज्यों के 52 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा और रोजगार के साथ राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी निभाकर लोकतंत्र को मजबूत करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय है और भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। देश अपनी आजादी का 80वां वर्ष मनाने जा रहा है। ऐसे समय में विधानसभा भवन युवाओं की भागीदारी से मिनी इंडिया का स्वरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि

सदन जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण का पवित्र स्थान है।

उन्होंने कहा कि युवा संसद में बेटियों की भागीदारी यह दर्शाती है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मातृशक्ति भारतीय संस्कृति का आधार : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। समाज माताओं और बहनों के आशीर्वाद से आगे बढ़ता है। हमारी संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव समाहित है और पूरी दुनिया को परिवार माना गया है।

उन्होंने कहा कि भगवान राम



के साथ माता सीता और भगवान कृष्ण के साथ राधा का नाम जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

कानून सभी के लिए समान होना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम और रहीम के लिए कानून समान होना चाहिए। केवल वोट बैंक की

राजनीति के कारण किसी भी वर्ग की महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लिए व्यापक स्तर पर सुझाव लिए हैं। सभी जिलों और विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने विचार दिए। उन्होंने दावा किया कि यूसीसी के सर्वे में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी इसका समर्थन किया है।

युवाओं से राजनीति में आने का आह्वान : मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के युवाओं को डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के साथ राजनीति में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। राजनीति समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। युवा आगे आएंगे तो लोकतंत्र और मजबूत होगा।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आजादी अनेक वीरों के बलिदान का परिणाम है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईसीएस की परीक्षा पास करने के बाद भी अंग्रेजों की नौकरी ठुकराकर देश की स्वतंत्रता के आंदोलन में योगदान दिया।

मध्यप्रदेश में बढ़ रहा निवेश : कार्यक्रम में दिलीप

बिल्डकॉन के सीएमडी दिलीप सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। बड़े उद्योगों के साथ छोटे उद्योगों में भी निवेश बढ़ रहा है।

युवा सांसद की भूमिका निभा रहे आरब सिंह शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में खेल और युवा कल्याण के लिए 800 करोड़ रुपए से अधिक का बजट रखा गया है। प्रदेश में 274 सांदीपनि विद्यालय संचालित हैं और 200 नए विद्यालय प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के लिए शिक्षित युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

रिश्वत की प्रथम किस्त 5 हजार लेते ही बाबू लोकायुक्त के शिकंजे में



जबलपुर/मंडला। दशरथ लाल बरमैया जो सिवनी माल कन्या आश्रम विकासखंड नारायणगंज जिला मंडला में भृत्य के पद पर पदस्थ था। उसके जीपीएफ राशि 1 लाख के भुगतान प्राप्ति के लिए कार्यालय विकासखंड शिक्षा के अधिकारी नारायणगंज में आवेदन दिया था। विभागीय बाबू नोखेलाल बेलिया के द्वारा आवेदक से जीएफ की राशि निकलवाने के बाद पारितोषक के रूप में 10000 रुपये रिश्वत की मांग की। जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर से की गई। शिकायत सत्यापन के दौरान

बातचीत करने के समय 8000 की रिश्वत राशि लेने के लिए तैयार हो गया। आज 13 अगस्त को आरोपी नोखेलाल बेलिया बाबू को प्रथम किस्त के रूप में 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए उसके कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी में रंग हाथ दबोचा गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7, 13(1) और 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। ट्रेप दल में उप पुलिस अधीक्षक रेखा प्रजापति, निरीक्षक उमा कुशवाह एवम् लोकायुक्त जबलपुर का दल मौजूद था।

'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा' निकलेगी

ग्वालियर, जीएनएस।

संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले में भी संत रविदास जी के जीवनदर्शन तथा उनके समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रदेश सरकार की पहल पर व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से श्रीगुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन होगा। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 18 अगस्त को दोपहर 12 बजे रवीन्द्र भवन भोपाल में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिये पावन कलश रवाना किये जाएंगे। संबंधित जिलों द्वारा कलश प्राप्त करने एवं उसे सम्मानपूर्वक जिला मुख्यालय तक ले जाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। राज्य शासन ने इस संबंध में

आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिये हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम आयुक्त एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धाभाव के साथ कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय पर 24 अगस्त को कलश वंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किये जाएंगे। इसके बाद पावन कलश, कलश रथ में स्थानीय रविदास मंदिर एवं ग्राम स्तर तक ले जाया जायेगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 20 अगस्त 10 सितम्बर तक निर्धारित मार्ग पर कलश रथ यात्रा आयोजित की जायेगी। यात्रा के मार्ग, पड़ाव,

समय सारणी एवं स्थानीय कार्यक्रमों की कार्ययोजना जिला स्तर पर पहले से तैयार कर ली जायेगी। जिलास्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं चिह्नित स्थानीय मंदिरों में विविध स्वरूप के आयोजन जैसे सामूहिक आरती, गुरुवाणी पाठ, भजन संध्या, समरसता संकल्प तथा अन्य स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रमों में स्थानीय संतों, गुरुओं एवं समाज के जनप्रतिनिधियों के साथ नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा 5 अक्टूबर से 5 नवम्बर के मध्य संयोजित की जायेगी। इसमें डेरा, सचखण्ड, बल्लन(जालंधर) से शुरू होने वाली यात्रा मध्यप्रदेश राज्य के विभिन्न स्थानों से होकर गुजरेगी। यात्रा के प्रमुख पड़ावों पर यात्रा का भव्य स्वागत, समरसता

संकल्प, समरसता गोष्ठी तथा समता, सेवा, सामाजिक न्याय एवं बेगमपुरा के आदर्श समाज संबंधी संदेश पर केन्द्रित कार्यक्रम होंगे। प्रदेश स्तर पर 18 अगस्त से 31 अगस्त तक संत सम्पर्क कार्यक्रम होंगे। इसके तहत संतों एवं गुरुओं को अभियान के उद्देश्य एवं गतिविधियों से अवगत करवाते हुए विभिन्न सामाजिक समरसता कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता के लिये आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रमों का नोडल एवं समन्वयकर्ता विभाग अनुसूचित जाति कल्याण एवं जनजातीय जिलों में जनजातीय कार्य विभाग होगा। जिला मुख्यालय, नगरीय क्षेत्रों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

मृत बच्चे-बच्चियों को दफनाने शासन शमशानो की व्यवस्था करवाएं: भगवान सिंह यादव

ग्वालियर, जीएनएस।

पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव का कहना है कि जनहित में देश के प्रत्येक प्रान्तों एवं राज्यों के जिलों, शहरों, ग्रामीणों तथा पंचायतों में 10 वर्ष से नीचे उम्र के बच्चों एवं बच्चियों को उपरोक्त दर्शायें स्थानों पर दफनाने हेतु कोई व्यवस्था नहीं है और उन्हें कहीं भी गाड़ दिया जाता है जिन्हें कुत्तों एवं अन्य जंगली जानवरों द्वारा उखाड़ कर खा लिया जाता है जिससे क्षेत्र में गन्दगी एवं प्रदूषण

फैल कर वातावरण प्रदूषित तो होता ही है तथा बच्चों के मां-बाप को मानसिक पीड़ा भी होती है जो उचित नहीं है उस पर अंकुश लगाने हेतु शमशान बनवाना अति आवश्यक है। वर्तमान में मेरी जानकारी में कहीं भी बच्चे बच्चियों को जमीन दफनाने हेतु शमशान की उचित व्यवस्था नहीं है। इस जनहित के कार्य हेतु देश के हर प्रान्तों एवं प्रदेशों को उक्त व्यवस्था करने हेतु कड़े निर्देश देकर अनुग्रह कर कृतार्थ करें।



मंत्री श्री कुशवाह ने दिव्यांगजन को व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान किए

ग्वालियर, जीएनएस।

सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यमिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने समाधिया कॉलोनी, लश्कर स्थित स्थानीय कार्यालय से जरूरतमंद दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की सहायता कर उनके जीवन को सुगम और सहज बनाना सच्ची जनसेवा है। सरकार प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक आवश्यक सहयोग पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि दिव्यांगजनों को



आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। जरूरतमंद दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक

उपकरण उपलब्ध कराना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना सरकार की प्राथमिकता है।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान अचलपुरा 10 लाख 2 सौ 28 रुपये रुपये गबन करने का मामला सामने आया

लहार। एसडीएम के निर्देशन में कनिष्ठ आपूर्तिकर्ता अधिकारी सुनील मुदगल द्वारा दो लोगों पर थाने में मामला दर्ज कराया

शासकीय उचित मूल्य की दुकान के दो लोगों पर मामला दर्ज खुशबू कुशवाह निवासी दवरेहा कलू कुशवाह निवासी दवरेहा पर 10 लाख 2 सौ 28 रुपये गबन करने के मामले में मामला दर्ज

मामला मिहोना थाना क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य की दुकान का मामला

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फाउंडेशन चंबल रीजन एवं ग्रेटर ग्वालियर द्वारा ग्वालियर के 15 समाजसेवियों को वीर योद्धा का सम्मान

ग्वालियर, जीएनएस।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फाउंडेशन चंबल रीजन एवं ग्रेटर ग्वालियर द्वारा जैन छात्रावास में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 'वीर योद्धा' सम्मान से नवाजा गया। इन समाजसेवियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पशु-पक्षी सेवा, बेटी बचाओ अभियान, जरूरतमंदों की सहायता, रक्तदान, गौसेवा, संतो के विहार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किए हैं।

इनको किया गया वीर योद्धा के रूप में सम्मानित संजय पांडे - अमरनाथ यात्रा सेवा के माध्यम से पिछले 26 वर्षों से श्रद्धालुओं को लगातार अमरनाथ यात्रा कराने का सेवा कार्य कर रहे हैं।

विकास गोस्वामी - अक्षर फाउंडेशन एवं आश्रम स्वर्ण सदन के माध्यम से बेसहारा लोगों को आश्रय देकर उनकी सेवा कर रहे हैं।

आनंद पचौरी - समाज कल्याण सेवा समिति के माध्यम से असहाय, निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क सहायता सहित विभिन्न सेवा कार्य कर रहे हैं।



सुनील कुमार राठौर - पशु-पक्षियों की सेवा के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

अमित द्विवेदी - माधव समर्पण सेवा संस्थान से जुड़े हैं तथा पिछले कई वर्षों से बेटी बचाओ और भ्रूण हत्या रोकने के लिए जनजागरूकता का कार्य कर रहे हैं।

डॉ. शैलेन्द्र सिंह सिकरवार - शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

देवता मोती - द्वारा स्थापित आईएससीआई फाउंडेशन के माध्यम से स्वच्छता, एसटीईएम शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं रोजगार के क्षेत्र में कार्य करते हुए

हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित किया जा रहा है।

योग प्रकाश दीक्षित - जनकल्याण एवं जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

गजेन्द्र जैन - रक्तदान के क्षेत्र में कार्य करते हुए सामाजिक सेवा गतिविधियों में योगदान दे रहे हैं।

डॉ. विकास जैन - अस्पताल के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता एवं किडनी ट्रांसप्लांट जैसी चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

जैन युवा जागरण मंच, ग्वालियर - संत विहार के माध्यम से सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों में योगदान दे रहा है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग शिवपुरी (म.प्र.)						
Email : eepwdshivpuri@mp.nic.in				Phone : 07492-233353 (O)		
निविदा विज्ञप्ति क्रमांक : 10/2026-27				शिवपुरी दिनांक 06.08.2026		
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।						
स. क्र.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रुपये)	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1	2	3	4	5	6	7
01	2026_PWDRB-527822_1	संभाग शिवपुरी के अंतर्गत सी.एम. मोनित (ए एवं बी) के अंतर्गत बनाई जाने वाली विभिन्न प्रस्तावित मार्गों के डीपीआर बनाने का कार्य। कुल प्रस्तावित मार्ग की लम्बाई 54.00 कि.मी	18.56	37,120/-	2,000/-	01 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण
02	2026_PWDRB-527824_1	संभाग शिवपुरी के अंतर्गत सी.एम. मोनित (ए एवं बी) के अंतर्गत बनाई जाने वाली विभिन्न प्रस्तावित मार्गों के डीपीआर बनाने का कार्य। कुल प्रस्तावित मार्ग की लम्बाई 65.00 कि.मी	19.18	38,360/-	2,000/-	01 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण
03	2026_PWDRB-527843_1	संभाग शिवपुरी के अंतर्गत सी.एम. मोनित (ए) के अंतर्गत बनाई जाने वाली विभिन्न प्रस्तावित मार्गों के डीपीआर बनाने का कार्य। कुल प्रस्तावित मार्ग की लम्बाई 72.00 कि.मी	19.82	39,640/-	2,000/-	01 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण
योग			57.56			
1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाईन पेमेंट करने के पश्चात् बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है। 2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है:- (1) बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण (2) अमानत राशि जमा करने का प्रमाण (3) चेक लिस्ट (4) शपथ पत्र। विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है। 3. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की दिनांक 08.08.2026 समय 10:00 बजे से दिनांक 22.08.2026 समय 18:00 बजे तक निर्धारित है। 4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाकर, सिर्फ वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा।						
G-17042/26				कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग शिवपुरी (म.प्र.)		

‘उल्लास-एक अभिनव प्रयास’ के तहत जिला न्यायालय में बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मिला मंच

ग्वालियर, जीएनएस। ‘उल्लास-एक अभिनव प्रयास’ के तहत जिला न्यायालय में न्यायाधीशों एवं न्यायालयीन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों के बच्चों के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें कानूनी जागरूकता एवं सकारात्मक सामाजिक सोच से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में 8 वर्ष तक

तथा 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन उच्च न्यायालय, जबलपुर एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं

चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा



माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए

आयोजित ऐसी रचनात्मक गतिविधियां उनके व्यक्तित्व

विकास के साथ-साथ उन्हें जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता के माध्यम से सक्षम समाज की दिशा में बच्चों को प्रारंभ से ही जागरूक करना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने प्रतिभागी बच्चों के साथ रंग-बिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े। इस अवसर पर उन्होंने गुब्बारों की उड़ान के माध्यम

से बच्चों को सकारात्मक सोच अपनाने, अपने सपनों को ऊंची उड़ान देने और समाज में सकारात्मकता का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत 8 वर्ष तक तथा 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता एवं विचारों को चित्रों और निबंधों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

तिरंगे के रंग में रंगा ग्वालियर, जन-जन का अभियान बन रहा है ‘हर घर तिरंगा’ अभियान



महाराज बाड़ा पर डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों और छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्राएं

ग्वालियर, जीएनएस। जिले में राष्ट्रप्रेम और जनभागीदारी की भावना के साथ ‘हर घर तिरंगा’ अभियान उत्साहपूर्वक चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक तिरंगा यात्राओं, रैलियों और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता से ग्वालियर का वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगता नजर आ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा

पर प्रधान डाकघर लक्ष्मी के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति का संदेश दिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने नागरिकों को ‘हर घर तिरंगा’ अभियान से जुड़ने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घर-आंगन में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। महाराज बाड़ा क्षेत्र में ही गजराजा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक तिरंगा रैली निकाली। हाथों में लहराते राष्ट्रीय ध्वज और देशभक्ति के नारों के साथ छात्राओं ने शहरवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। रैली के दौरान छात्राओं का उत्साह देखते ही बना और मार्ग से गुजर रहे नागरिक भी तिरंगे के सम्मान में सहभागी बने।

जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के खिलाफ विशेष मुहिम

ग्वालियर, जीएनएस।

उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष मुहिम चलाई जा रही है। मुहिम के तहत राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी लगातार विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर खनिज गतिविधियों की निगरानी और जांच कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को राजस्व विभाग



के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थल निरीक्षण एवं बारीकी से

सर्वे किया। अधिकारियों ने खनिज पदार्थों के उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण से संबंधित गतिविधियों

की स्थिति का जायजा लिया और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की।

जांच के दौरान अधिकारियों ने विशेष रूप से बिलौआडूरफादपुर क्रेसर क्षेत्र से निकलने वाले मार्गों का बारीकी से निरीक्षण किया। इन मार्गों पर खनिज के परिवहन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ ही क्षेत्र की स्थिति का स्थल पर परीक्षण किया गया।

बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्कूली वाहनों की जांच जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन द्वारा स्कूली वाहनों का अभियान बतौर निरीक्षण कराया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर बुधवार को परिवहन विभाग के संभागीय उड़नदस्ता द्वारा मुरार स्थित सात नंबर चौराहे पर स्कूली वाहनों की जांच की गई। इस दौरान प्रगति विद्यापीठ स्कूल के 12 वाहनों में कमियां पाए जाने पर 64 हजार रुपए का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। क्षेत्रीय



परिवहन अधिकारी श्री विक्रमजीत सिंह कंग ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्कूली वाहनों की फिटनेस, एफएपीएस, एफडीएसएस, बीमा, दो दरवाजे, आपातकालीन द्वार व परमिट सहित अन्य सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। सुरक्षा मानकों में कमी पाई जाने पर यह जुर्माना लगाया गया है।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने स्व. श्री पारस जैन के निवास पहुंचकर परिजनों से की भेंट



भोपाल, जीएनएस।

उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज स्वर्गीय श्री पारस जैन के निवास पहुंचकर उनके परिजनों से भेंट की और शोक संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वर्गीय श्री पारस जैन के

निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को

सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने परिजनों को ढाढस बंधाते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ हैं। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी स्वर्गीय श्री पारस जैन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

‘नेशनल लाइब्रेरियन्स-डे’ पर केन्द्रीय पुस्तकालय में लगी दुर्लभ पुस्तकों की विशेष प्रदर्शनी

ग्वालियर, जीएनएस।

महाराज बाड़ा स्थित शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय में बुधवार को ‘नेशनल लाइब्रेरियन्स-डे’ के अवसर पर दुर्लभ एवं बहुमूल्य पुस्तकों की विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का आयोजन पुस्तकालय के मुख्य हॉल में प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया, जिसमें शहर के साहित्यप्रेमियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं पुस्तक

प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों से संबंधित ऐसी दुर्लभ पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया, जिनका ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं शोध की दृष्टि से विशेष महत्व है। प्रदर्शनी में प्राचीन पांडुलिपियां, हस्तलिखित ग्रंथ एवं सीमित संस्करण की दुर्लभ पुस्तकें विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इसी क्रम में ग्वालियर-चंबल अंचल



के प्रसिद्ध साहित्यकारों की कृतियों एवं उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी प्रदर्शित किया गया।

इसके अलावा इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, कला, शिक्षा सहित विभिन्न विषयों की उत्कृष्ट एवं महत्वपूर्ण

पुस्तकों को भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया। पुस्तकालय के स्टाफ द्वारा प्रदर्शनी में आए आगंतुकों को पुस्तकों की विषयवस्तु, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उनके महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। दुर्लभ पुस्तकों को एक ही स्थान पर देखने और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलने से विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं साहित्यप्रेमियों में विशेष उत्साह देखा गया।

भिण्ड-गोस्मी

के

समाचार

विज्ञापन

के लिए सम्पर्क करें

महेश चौधरी

98267-36233

Har Khushi Ki Pahali Pasand

OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

हमारे पास कहने को बहुत कुछ है, पर दुनिया को उन्हें सुनाएं तो

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल 44 सम्पत्तियां हैं और 69 साइट अस्थाई सूची में हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन 3600 से अधिक केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं तथा राज्य पुरातत्व विभागों और धार्मिक ट्रस्टों के तहत भी बहुत-से स्थल हैं।

इनमें से कई जगहों पर पर्यटक शानदार वास्तुकला या धार्मिक स्थलों को देख तो लेते हैं, लेकिन इनके बारे में उन्हें कम ही जानकारी मिल पाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस स्थल की कहानी दूरदराज के किसी म्यूजियम या रिजर्व कलेक्शन में रखी होती है।

हेरिटेज मैनेजमेंट पर नीति आयोग की एक रिपोर्ट में राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, धोलावीरा, शिवसागर और आदिचनह्वर जैसे प्रमुख स्थलों पर साइट म्यूजियमों का नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। हमी और सारनाथ में फ्लैगशिप परियोजनाओं की सिफारिश की गई है। संसदीय समितियों ने भी म्यूजियम और पुरातात्विक स्थलों पर इंटीग्रेटेड विजिटर सेंटर बनाने, बेहतर सुविधाएं देने और तकनीक की मदद से कहानी कहने की सुविधा देने की हिमायत की है।

हम सुनिश्चित करें कि हर विश्व धरोहर स्थल के पास एक म्यूजियम या इंटरप्रीटेशन सेंटर हो। उसका आकार-प्रकार संबंधित स्थल के अनुरूप हो सकता है, लेकिन उद्देश्य गंभीर होना चाहिए। ऐसे म्यूजियम में खुदाई से निकली वस्तुएं रखी जाएं, शोध केंद्र हों और स्थानीय समुदायों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हों। स्थानीय शिल्प और कला के प्रदर्शन को भी जगह दी जाए तो ये स्मारक ऐसे संस्थान बन सकते हैं, जो रोजगार पैदा करें, स्थानीय गौरव को बढ़ाएं और पर्यटकों को अधिक ठहराव के लिए आकर्षित करें।

भारत में सरकारी परियोजनाओं के अलावा प्राइवेट म्यूजियम और सार्वजनिक-निजी साझेदारियां भी सामने आ रही हैं। किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट दिल्ली में एक बड़ा परिसर बना रहा है, जिसे डेविड अडजाये ने डिजाइन किया है।

एक लाख वर्ग मीटर के इस परिसर में गैलरीज के साथ परफॉर्मेंस के लिए स्थान और लर्निंग सेंटर भी हैं। बेंगलुरु के म्यूजियम ऑफ आर्ट एंड फोटोग्राफी ने डिजिटल-फर्स्ट नजरिया अपनाते हुए संरक्षण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारियां की हैं। मुंबई का डॉ. भाऊ दाजी लाड संग्रहालय दिखाता है कि साझा प्रबंधन से किसी संस्था को कैसे पुनर्जीवित किया जाता है। भुज के स्मृतिवन और पटना के बिहार म्यूजियम जैसे प्रोजेक्ट म्यूजियम को शहर के सामाजिक परिवेश का हिस्सा मानते हैं। भारत के कंपनी एक्ट के तहत पात्र कंपनियों को अपने औसत शुद्ध लाभ का 2% हिस्सा सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) पर खर्च करना जरूरी होता है। सीएसआर विषयों में कला, संस्कृति और हेरिटेज संरक्षण भी शामिल हैं। फिर भी संस्कृति पर सीएसआर फंड का 3% से भी कम हिस्सा खर्च होता है। इसके लिए सरकारी फंडिंग भी राष्ट्रीय बजट के 1% से भी कम है। जबकि अमेरिका में 2025 में निजी परोपकारी संस्थाओं ने कला, संस्कृति, मानविकी के क्षेत्र में 27 अरब डॉलर से अधिक का योगदान दिया। यूरोपीय कंपनियों ने भी ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए पैसा दिया।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

ट्रंप के गुप्त विमान परिवर्तन ने फिर याद दिलाई कहावत—‘वड़ा सड़ावण, वड़ा दुख पावण’

बड़ा पद, बड़ी जिम्मेदारी और उससे भी बड़ी सुरक्षा चुनौती

वैश्विक स्तर पर भारत की धरती पर सदियों से चली आ रही कहावत वड़ा सड़ावण, वड़ा दुख पावण याने जितना बड़ा पद, उतनी बड़ी जिम्मेदारी और उतनी ही बड़ी चिंता, केवल सामाजिक जीवन पर लागू नहीं होती; अंतरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा पर भी यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जब किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो उनके साथ केवल राजनयिक प्रोटोकॉल नहीं चलता, बल्कि खुफिया एजेंसियों, सुरक्षा विशेषज्ञों, सैन्य अधिकारियों, वैकल्पिक मार्गों, वैकल्पिक विमानों और आपातकालीन योजनाओं का पूरा जाल चलता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनाजी गोदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि संभवतः इसकी वजह भी साफ है, किसी सामान्य व्यक्ति की सुरक्षा में चूक एक व्यक्तिगत त्रासदी हो सकती है, लेकिन किसी राष्ट्राध्यक्ष की सुरक्षा में चूक का असर पूरे देश की राजनीति, सैन्य रणनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में 12 अगस्त 2026 को सामने आए बयान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की से गुप्त रूप से विमान बदलने की घटना पर कहा कि यह फैसला उनका व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि सीक्रेट सर्विस और सैन्य अधिकारियों की सलाह पर लिया गया था। ट्रंप के अनुसार, सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें विमान बदलने के लिए कहा और उन्होंने बिना ज्यादा सवाल किए उनकी सलाह मान ली। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जिस वैकल्पिक विमान में उन्हें ले जाया गया, वह मूल विमान की तुलना में कुछ परिस्थितियों में ग्रेटर रिस्क में हो सकता था। इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी सुरक्षा तंत्र के आकलन में मुद्दा केवल यह नहीं था कि कौन-सा विमान तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित है, बल्कि यह भी था कि संभावित हमलावर किस विमान को राष्ट्रपति का वास्तविक विमान समझ सकता है। बता दें कि 8 जुलाई 2026 को तुर्की के अंकारा से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गुप्त रूप से विमान बदलकर यात्रा करने की खबर ने दुनिया का ध्यान खींचा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रपति को कथित ईरानी खतरे के बीच उनके विमान से निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाने में एयरपोर्ट के कैटरिंग वाहन का इस्तेमाल किया गया। लेकिन इस कहानी का असली रोमांच कैटरिंग ट्रक नहीं, बल्कि वह डिस्पेशन स्ट्रेटेजी है जिसके तहत संभावित हमलावर को यह पता न चलने दिया जाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति वास्तव में किस विमान में हैं। और जब इस घटना की तुलना भारत तथा वर्ष 2000 में बिल क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा से की जाती है, तब यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा में गोपनीयता, वैकल्पिक मार्ग, वैकल्पिक विमान और ‘डिकॉय’ रणनीति कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। याने घटना 8 जुलाई 2026 की है, 10 अगस्त 2026 के आसपास इस गुप्त विमान-परिवर्तन की खबर सार्वजनिक हुई, 11 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इसे विस्तार से रिपोर्ट किया और 12 अगस्त 2026 को ट्रंप ने स्वयं इसकी पुष्टि कर दी।

साथियों, कैटरिंग वाहन क्यों यही इस ऑपरेशन की सबसे असाधारण कड़ी थी राष्ट्राध्यक्ष की वास्तविक लोकेशन को अनिश्चित रखना स्वयं सुरक्षा का हथियार बन जाता है। किसी संभावित हमलावर के पास यदि यह सूचना हो कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं, तो वह उस विमान को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। लेकिन यदि सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाला विमान वास्तव में राष्ट्रपति को लेकर नहीं जा रहा हो और राष्ट्रपति किसी अप्रत्याशित रास्ते से दूसरे विमान में चले जाएं, तो संभावित हमलावर के लिए सही लक्ष्य की पहचान करना कठिन हो जाता है। असल में यह डिस्पेशन यानी सटीकता से भ्रम पैदा करने वाली सुरक्षा रणनीति थी। साथियों, ट्रंप की यह घटना पूरी तरह अभूतपूर्व नहीं है। इसके सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उदाहरणों में मार्च 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा शामिल है। उस समय पाकिस्तान में सुरक्षा परिस्थितियां अत्यंत संवेदनशील थीं। क्लिंटन भारत यात्रा के बाद पाकिस्तान पहुंचे थे और उनकी सुरक्षा को लेकर अमेरिकी प्रशासन ने एक असाधारण योजना बनाई। एक विमान को इस तरह इस्तेमाल किया गया कि वह राष्ट्रपति के वास्तविक विमान जैसा दिखाई दे, जबकि क्लिंटन स्वयं एक अलग, बिना स्पष्ट पहचान वाले विमान से पाकिस्तान पहुंचे। वाशिंगटन पोस्ट की 11 अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, क्लिंटन प्रशासन ने उस समय चुनिंदा पत्रकारों को इस सुरक्षा योजना के बारे में पहले से जानकारी दी थी। यह तुलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2026 के ट्रंप ऑपरेशन और 2000 के क्लिंटन ऑपरेशन में मूल रणनीतिक विचार समान था, दुश्मन को यह पता न चलने देना कि वास्तविक राष्ट्रपति किस विमान में है। अंतर यह था कि क्लिंटन के समय पत्रकारों को ऑपरेशन के बारे में ब्रीफ किया गया था, जबकि ट्रंप के मामले में उनके साथ यात्रा कर रहे कुछ पत्रकारों और कर्मचारियों को भी वास्तविक योजना की जानकारी नहीं थी। इसीलिए ट्रंप का मामला सुरक्षा के

आखिर हुआ क्या था? इसको समझने की करें तो रिपोर्टों के अनुसार, नाटो सम्मिट के बाद ट्रंप को तुर्की से रवाना होना था। सामान्य परिस्थितियों में राष्ट्रपति के विमान की पूरी गतिविधि अत्यंत सुरक्षित और नियंत्रित रहती है। लेकिन अमेरिकी खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारियों के सामने कथित रूप से ऐसा खतरा आया जिसमें ट्रंप अथवा उनके विमान को निशाना बनाए जाने की आशंका थी। इसलिए सुरक्षा टीम ने असाधारण निर्णय लिया। ट्रंप को सार्वजनिक रूप से एयर फोर्स वन की ओर जाते हुए दिखाया गया, लेकिन वे वास्तव में उस विमान में अपनी यात्रा जारी नहीं रखने वाले थे। इसके बाद उन्हें विमान से अलग करके एयरपोर्ट के एक कैटरिंग कंटेनर/वाहन के जरिए दूसरे स्थान तक ले जाया गया, जहां एक छोटे सैन्य विमान—सी-32ए से उनकी वास्तविक यात्रा शुरू हुई। एपी ने भी इस बात की पुष्टि की कि ट्रंप को कथित तौर पर कैटरिंग वैन के जरिए दूसरे विमान तक पहुंचाया गया और दूसरी ओर एयर फोर्स वन जैसा दिखाई देने वाला विमान सटिका से आगे बढ़ा।

साथियों, कैटरिंग वाहन क्यों यही इस ऑपरेशन की सबसे असाधारण कड़ी थी राष्ट्राध्यक्ष की वास्तविक लोकेशन को अनिश्चित रखना स्वयं सुरक्षा का हथियार बन जाता है। किसी संभावित हमलावर के पास यदि यह सूचना हो कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं, तो वह उस विमान को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। लेकिन यदि सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाला विमान वास्तव में राष्ट्रपति को लेकर नहीं जा रहा हो और राष्ट्रपति किसी अप्रत्याशित रास्ते से दूसरे विमान में चले जाएं, तो संभावित हमलावर के लिए सही लक्ष्य की पहचान करना कठिन हो जाता है। असल में यह डिस्पेशन यानी सटीकता से भ्रम पैदा करने वाली सुरक्षा रणनीति थी।

साथियों, ट्रंप की यह घटना पूरी तरह अभूतपूर्व नहीं है। इसके सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उदाहरणों में मार्च 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा शामिल है। उस समय पाकिस्तान में सुरक्षा परिस्थितियां अत्यंत संवेदनशील थीं। क्लिंटन भारत यात्रा के बाद पाकिस्तान पहुंचे थे और उनकी सुरक्षा को लेकर अमेरिकी प्रशासन ने एक असाधारण योजना बनाई। एक विमान को इस तरह इस्तेमाल किया गया कि वह राष्ट्रपति के वास्तविक विमान जैसा दिखाई दे, जबकि क्लिंटन स्वयं एक अलग, बिना स्पष्ट पहचान वाले विमान से पाकिस्तान पहुंचे। वाशिंगटन पोस्ट की 11 अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, क्लिंटन प्रशासन ने उस समय चुनिंदा पत्रकारों को इस सुरक्षा योजना के बारे में पहले से जानकारी दी थी। यह तुलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2026 के ट्रंप ऑपरेशन और 2000 के क्लिंटन ऑपरेशन में मूल रणनीतिक विचार समान था, दुश्मन को यह पता न चलने देना कि वास्तविक राष्ट्रपति किस विमान में है। अंतर यह था कि क्लिंटन के समय पत्रकारों को ऑपरेशन के बारे में ब्रीफ किया गया था, जबकि ट्रंप के मामले में उनके साथ यात्रा कर रहे कुछ पत्रकारों और कर्मचारियों को भी वास्तविक योजना की जानकारी नहीं थी। इसीलिए ट्रंप का मामला सुरक्षा के

साथ-साथ प्रेस और पारदर्शिता की दृष्टि से भी अधिक विवादास्पद बन गया है।

साथियों, बात अगर हम भारत में क्या ऐसी घटना हुई है? इसको जानने की करें तो, भारत के संदर्भ में यहां तथ्यात्मक सावधानी और भी जरूरी है। भारत में पीएम की सुरक्षा के कारण यात्रा के साधन या मार्ग में बदलाव के उदाहरण अवश्य हैं, लेकिन ट्रंप जैसी गुप्त विमान-स्वैप और डेकोय विमान की सार्वजनिक रूप से प्रमाणित घटना का उदाहरण उपलब्ध नहीं है। भारत में सबसे चर्चित उदाहरण 5 जनवरी 2022 का पंजाब प्रधानमंत्री सुरक्षा प्रकरण है। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर के बजाय सड़क मार्ग से फिरोजपुर जाना पड़ा। रास्ते में उनका काफिला एक फ्लाईओवर पर लगभग 15-20 मिनट तक फंसा रहा। गृह मंत्रालय ने इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर चूक बताया और प्रधानमंत्री का कार्यक्रम रद्द कर उन्हें वापस बठिंडा एयरपोर्ट ले जाया गया था। लेकिन दोनों घटनाओं में अंतर साफ रखना चाहिए। पंजाब की घटना में परिवहन बदलने का तत्काल कारण खराब मौसम था; ट्रंप की घटना में परिवहन बदलना कथित सुरक्षा/हत्या के खतरे की प्रतिक्रिया था। इसलिए भारतीय उदाहरण को ट्रंप जैसी घटना कहना सही नहीं होगा। बल्कि इसे यह बताने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है कि भारत में भी प्रधानमंत्री की सुरक्षा के कारण यात्रा की योजना बदल सकती है और सुरक्षा चूक होने पर पूरा कार्यक्रम रद्द तक किया जा सकता है। भारत में प्रधानमंत्री के लिए एयर इंडिया वन व्यवस्था में भी वैकल्पिक विमान और सुरक्षा-प्रबंध मौजूद हैं। प्रधानमंत्री/राष्ट्रपति के अंतरराष्ट्रीय सफर के लिए विशेष बोइंग 777-300ईआर विमान अत्याधुनिक संचार, मिसाइल-वार्निंग और इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमैसुर प्रणालियों से लैस हैं। इसका उद्देश्य ही यह है कि किसी संभावित हवाई खतरे की स्थिति में राष्ट्राध्यक्ष को अधिकतम सुरक्षा मिल सके। लेकिन ट्रंप जैसा डेकोय एयरक्राफ्ट + सीक्रेट ट्रांसफर वाला सार्वजनिक रूप से प्रमाणित उदाहरण भारत में उपलब्ध नहीं है।

साथियों, भारत के इतिहास में सुरक्षा का सवाल कितना गंभीर रहा है? इसको समझने की करें तो भारत में प्रधानमंत्री पद ने स्वयं सुरक्षा के अत्यंत गंभीर दौर देखे हैं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं ने यह सिद्ध किया कि राष्ट्राध्यक्ष अथवा शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के सामने खतरा केवल युद्ध या विदेशी मिसाइल से नहीं आता; खतरा आंतरिक नेटवर्क आतंकवाद नजदीकी सुरक्षा घरे और अचानक होने वाले हमले से भी आ सकता है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में भारत ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए एसपीजी जैसी अत्यंत विशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था विकसित की। इसलिए आज प्रधानमंत्री की यात्रा में मार्ग, वाहन, विमान, हेलीकॉप्टर, वैकल्पिक मार्ग और इमरजेंसी एवक्यूशन जैसी व्यवस्थाओं को पहले से तैयार रखना राष्ट्रीय सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा है।

साथियों, बात अगर हम क्या अन्य देशों में भी ऐसा हुआ है? इसको जानने की करें तो, दुनिया के अनेक देशों में राष्ट्राध्यक्षों की यात्रा को लेकर

गोपनीय मार्ग, वैकल्पिक विमान और इमरजेंसी एवस्ट्राक्शन जैसी व्यवस्थाएं अपनाई गई हैं। लेकिन हर घटना को ट्रंप प्रकरण के समान कहना उचित नहीं होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के मामले में सबसे स्पष्ट और दस्तावेजी समानता क्लिंटन का 2000 का पाकिस्तान ऑपरेशन है। यह घटना बताती है कि डेकोय एयरक्राफ्ट कोई 2026 की नई तकनीक नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एकदम सटीक राष्ट्रपति सुरक्षा रणनीति है।

साथियों, 9/11 ने भी दिखाया था कि राष्ट्रपति की यात्रा एक क्षण में बदल सकती है, राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा में यात्रा-योजना बदलने का सबसे बड़ा आधुनिक अमेरिकी उदाहरण 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमले के दौरान दिखाई दिया। उस समय राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश की सुरक्षा को लेकर स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि सीक्रेट सर्विस और प्रशासन को राष्ट्रपति की यात्रा तथा ठिकाने को लेकर लगातार निर्णय बदलने पड़े। एयर फोर्स वन स्वयं उस समय एक मोबाइल कमांड सेंटर और सुरक्षित परिवहन माध्यम में बदल गया था। यह उदाहरण ट्रंप की घटना से अलग है, लेकिन दोनों के पीछे एक समान सिद्धांत दिखाई देता है, जब राष्ट्राध्यक्ष की सुरक्षा को वास्तविक खतरा हो तो पहले से बनी पूरी यात्रा योजना कुछ मिनटों में बदली जा सकती है।

साथियों, भारत की कहावत वड़ा सड़ावण, वड़ा दुख पावण का वैश्विक अर्थ इतिहास का सबक—बड़ा पद, बड़ा खतरा है, ट्रंप की इस घटना पर असाधारण रूप से सटीक बैठती है। दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्रपति होने का अर्थ यह नहीं कि खतरा समाप्त हो गया। बल्कि इसके उलट, राष्ट्रपति जितना शक्तिशाली होता है, उसके निर्णयों का प्रभाव जितना बड़ा होता है, उसके खिलाफ संभावित खतरे भी उतने ही गंभीर होते हैं। ट्रंप के पास सीक्रेट सर्विस है, दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य मशीनरी है, अत्याधुनिक राष्ट्रपति विमान है और विशाल इंटेलीजेंस नेटवर्क है, फिर भी यदि सुरक्षा अधिकारी कहें कि विमान बदलना होगा, तो राष्ट्रपति को भी सटीकता से विमान बदलना पड़ता है। अतः अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें व इस पूरे घटनाक्रम को भारतीय कहावत के संदर्भ में देखें तो इसका अर्थ और गहरा हो जाता है, वही भारतीय कहावत फिर याद आती है, वड़ा सड़ावण, वड़ा दुख पावण बड़ा पद केवल शक्ति नहीं देता, वह बड़ी जिम्मेदारी, बड़ी आशंका और कभी-कभी ऐसी सुरक्षा व्यवस्था भी मांगता है, दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश, दुनिया की सबसे अत्याधुनिक सुरक्षा एजेंसियां, अत्यंत सुरक्षित राष्ट्रपति विमान, सैन्य विमान, सीक्रेट सर्विस, खुफिया तंत्र और तमाम सुरक्षा घेरा, इन सबके बावजूद यदि राष्ट्रपति को अचानक विमानबदलना पड़े और सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले विमान को संभावित डेकोय बनाना पड़े, तो इससे एक बात स्पष्ट होती है कि शक्ति जितनी बड़ी होती है, उसके सामने मौजूद खतरे भी उतने ही जटिल होते हैं।

सदियों में अवतरित होते हैं आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी जैसे महान संत

पांच दिन तक चले धार्मिक कार्यक्रमों का गुणानुवाद सभा के साथ हुआ समापन

शिवपुरी, जीएनएस।

जैन धर्म के स्थानकवासी समाज के द्वितीय आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज के 126 वें जन्म जयंती महोत्सव के अवसर पर पोषद भवन में पांच दिन तक चले धार्मिक कार्यक्रमों का गुणानुवाद सभा के साथ समापन हुआ। गुणानुवाद सभा में प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज की सुशिष्या साध्वी चेतना श्री जी और साध्वी समिता श्री जी ने गुरुदेव के व्यक्तित्व के कई गुणों को रेखांकित किया और कहा कि हजारों वर्षों में आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी महाराज जैसे महान संत इस धरती

पर जन्म लेते हैं और धर्म के सही रूप को स्पष्ट करते हैं। आचार्य श्री कहते थे कि धर्म सिर्फ क्रियाओं तक सीमित नहीं हैं बल्कि आत्म रूपांतरण का एक माध्यम हैं। अंदर के कषायों और विकारों को दूर कर आत्मा की उन्नति धर्म का प्रमुख लक्ष्य है। जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने आचार्य श्री को आचार्य सम्राट की उपाधि से सम्मानित किया था और भारत सरकार ने उनकी स्मृति में 1902 में डाक टिकट जारी किया था। धर्म सभा में स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कोचेटा, राजकुमार श्रीमाल और अशोक कोचेटा ने अपने संबोधन में बताया कि आचार्य श्री ने मात्र 13 साल की उम्र में सन्यास धारण किया था



और 80 वर्ष के दीक्षा काल में उन्होंने समाज को संस्कारित करने के अलावा जोड़ने का भी कार्य किया। उस समय समाज में विघटन की स्थिति थी और आचार्य श्री ने 28 समुदायों को एकत्रित कर श्रमण संघ की स्थापना कर उन्हें एक झंडे के नीचे लाने का कठिन कार्य संपन्न किया। गुणानुवाद सभा के लाभार्थी ऋषभ कुमार, राजकुमार जैन श्रीमाल परिवार रहे वहीं प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानकवासी समाज

के अध्यक्ष राजेश कोचेटा ने आचार्य श्री के जन्मदिन पर प्रसाद वितरण(परवाना) का लाभ लिया। आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी महाराज का 126 वां जन्म जयंती समारोह शिवपुरी के पोषद भवन में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। जिसमें स्थानकवासी जैन समाज और मूर्ति पूजक समाज ने साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज, साध्वी चेतना जी और साध्वी समिता जी के प्रेरक नेतृत्व में बड़ चढ़कर भाग लिया। समारोह

में बेला (दो उपवास) और तेला (तीन उपवास) करने वाले भाई बहनों का साध्वी समिता जी के परिजनों द्वारा बहुमान किया गया। पांच दिन तक चलने वाले समारोह के प्रथम दिन लोगस्स पाठ का आयोजन हुआ जिसमें सुबह 9 बजे से 10 बजे तक सभी 24 तीर्थंकरों की वंदना की गई। प्रथम दिन के कार्यक्रम के लाभार्थी राजकुमार श्रीमाल परिवार रहे। दूसरे दिन धर्म सभा में उपस्थित सभी भाइयों बहनों ने तीन-तीन सामायिक का तेला किया और साध्वी समिता जी ने आचार्य श्री के सांसारिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बचपन से ही उन्हें धर्म में अगाध श्रद्धा थी और वह बच्चों के खेलों में कोई रुचि नहीं लेते थे। महज 13 वर्ष की

उम्र में उन्होंने आचार्य रत्न ऋषि श्रीजी से सन्यास ग्रहण किया। गुरु आज्ञा का वह सर्वोपरि मानते थे। दूसरे दिन के लाभार्थी धर्मचन्द्र कमलचंद्र कोचेटा परिवार रहे। तीसरे दिन वंदना दिवस का आयोजन हुआ जिसमें आचार्य पद के 36 गुणों का बखान करते हुए 36 बार आचार्य श्री को वंदन किया गया। वंदना दिवस के लाभार्थी पदमचंद, शैलेश और सुनीता कोचेटा परिवार रहे। चौथे दिन 40 श्रावक, श्राविकाओं ने आइ विल वृत्त किया। इस वृत्त में 24 घंटे में एक बार तपस्वी सिर्फ रूखा सूखा भोजन ग्रहण करते हैं। आई विल के लाभार्थी ब्राह्मी बहु मंडल परिवार ने इस भूमिका का सार्थक निर्वहन किया।

देशभक्ति के रंग में रंगा गुना, पुलिस ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

गुना, जीएनएस।

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 09 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक प्रदेशभर में 'हर घर तिरंगा अभियान' मनाया जा रहा है। इसी तहत आज दिनांक 13 अगस्त 2026 को गुना पुलिस द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ हुई इस तिरंगा यात्रा को पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए राष्ट्रभक्ति, एकता एवं देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया। यात्रा में



शामिल पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों में विशेष उत्साह एवं देशभक्ति का भाव देखने को मिला। तिरंगा यात्रा पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर गोपाल मंदिर तिराहा, जेल तिराहा, पी.जी. कॉलेज रोड, अंबेडकर चौराहा, हनुमान चौराहा, तेलघानी तिराहा, जय स्तंभ चौराहा, जज्जी बस स्टैंड, वंदना स्कूल, सोम्या मॉल,

मारुति शोरूम, बी.जी. रोड बायपास, भुल्लनपुरा, बी.जी. रोड ओवरब्रिज, जय स्तंभ, कोतवाली रोड, शगुन चौराहा, सदर बाजार, हाट रोड, जगदीश कॉलोनी, शांति पब्लिक स्कूल, अंबेडकर चौराहा, बीएसएनएल एक्सचेंज, रिलायंस पेट्रोल पंप तिराहा एवं गोपालपुरा रोड होते हुए पुलिस लाइन पहुंचकर समाप्त हुई।

लाल परेड मैदान पर भव्य परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम रिहर्सल संपन्न

गुना, जीएनएस।

आगामी दिनांक 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस गरिमायम एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुना के लाल परेड मैदान पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व आज दिनांक 13 अगस्त 2026 को लाल परेड मैदान पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना श्री प्रशांत सिंह सुमन की उपस्थिति में परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम रिहर्सल आयोजित की गई। पूर्वाभ्यास मुख्य समारोह के निर्धारित कार्यक्रम एवं प्रोटोकॉल के अनुरूप किया गया। अंतिम रिहर्सल के दौरान निर्धारित कार्यक्रमानुसार मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन करते हुए अपर

कलेक्टर श्री अखिलेश कुमार जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके उपरांत परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक श्रीमती पूजा उपाध्याय के नेतृत्व में परेड का संचालन किया गया तथा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात परेड द्वारा हर्ष फायर एवं शानदार मार्च पास्ट की कार्यवाही संपन्न की गई। इस दौरान पुलिस के प्रशिक्षित स्निफर डॉग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का रोमांचक एवं शानदार प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। परेड में पुलिस, एसएफ एवं होमगार्ड के प्लाटूनों के साथ-साथ एनसीसी, स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस एवं शौर्य दल सहित कुल 13 प्लाटूनों ने सहभागिता की। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित

अनुशासन एवं समन्वय के साथ मार्च पास्ट का पूर्वाभ्यास किया। अंतिम रिहर्सल के दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी पूर्वाभ्यास किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत एवं नशा मुक्ति जागरूकता हेतु आकर्षक एवं रंगारंग प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया।

उल्लेखनीय है कि गुना जिले में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह दिनांक 15 अगस्त 2026 को लाल परेड मैदान पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर गुना श्री किशोर कुमार कन्याल प्रातः 09:00 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर ध्वजारोहण करेंगे।



राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती पर निकला भव्य चल समारोह, राठौर समाज ने किया प्रतिभावान बच्चों और वरिष्ठों का सम्मान

गुना, जीएनएस।

शहर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रवीर श्री दुर्गादास जी राठौर की 388वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सकल राठौर समाज द्वारा एक भव्य एवं विशाल चल समारोह (जुलूस) निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जयंती समारोह की शुरुआत प्रातः 8:00 बजे हनुमान गली स्थित श्री राम जानकी मंदिर में मुख्य अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात दोपहर 12:00 बजे इसी मंदिर परिसर से

एक विशाल चल समारोह प्रारंभ हुआ। यह जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों जैसे हनुमान गली, नई सड़क, बताशा गली, सदर बाजार और लक्ष्मीगंज से होता हुआ नारायणा गार्डन पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। जुलूस के दौरान मार्ग में जगह-जगह समाजसेवियों एवं शहरवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर चल समारोह का आत्मीय स्वागत किया गया। देशभक्ति और राष्ट्रवीर दुर्गादास जी के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। नारायणा गार्डन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, जिन्होंने परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे, उन्हें स्मृति चिन्ह व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

खरीफ सब्जियों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर कृषि विस्तार अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।

किसान कल्याण वर्ष के तहत खेती को लाभकारी बनाने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के 37 कृषि विस्तार अधिकारियों को खरीफ मौसम की सब्जियों की उन्नत उत्पादन तकनीक का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को प्याज, भिंडी, टमाटर एवं अगेती



आलू की उन्नत खेती, समन्वित खरपतवार प्रबंधन तथा कीट एवं रोग

नियंत्रण की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई, ताकि वे किसानों

को इन तकनीकों का प्रभावी प्रशिक्षण दे सकें। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर के वैज्ञानिकों ने खरीफ मौसम में सब्जियों की उन्नत खेती से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी विस्तार अधिकारियों के साथ साझा की। उन्हें फसलों की बेहतर पैदावार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा कीट एवं बीमारियों से बचाव के उपायों से अवगत कराया गया।

युवा सराफा कमेटी द्वारा करौली में किया गया भव्य फूल बंगला, छप्पन भोग एवं माता की चौकी का आयोजन

मथुरा। युवा सराफा कमेटी (रजि.) द्वारा माँ कैलादेवी भवन, करौली राजस्थान में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता से ओत-प्रोत भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर फूल बंगला, छप्पन भोग, माता की चौकी एवं कन्या-लांगुर प्रसादी का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया जिसमें मथुरा से पहुंचे कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संस्थापक मुकुल अग्रवाल व



राधाकिशन ने बताया की सर्वप्रथम मड़या को छप्पन भोग एवं विशेष पोशाक अर्पित किया गया। इसके

पश्चात स्थानीय धर्मशाला में मथुरा से पधारे सभी सदस्यों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। संस्था समय माता की चौकी में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ माता का गुणगान किया। वहीं कन्या-लांगुर की प्रसादी की व्यवस्था भी कमेटी द्वारा की गई। कमेटी के अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल एवं महामंत्री पिंयूष खंडेलवाल द्वारा सभी सदस्यों

का दुपट्टा उड़ा कर स्वागत किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से चेतन अग्रवाल, अंकित गर्ग, आशीष गोयल, दीपक सिंघल, टिन्नु वर्मा, गौरहरी बंसल, मनीष भार्गव, पराग अग्रवाल आनंद अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, सौरभ, कपिल, अनुज, मनोज, शिवम्, मुकेश सहित कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

तिरंगे के रंग में रंगा सिनेमा- भगत सिंह से कारगिल तक, इन फिल्मों ने जगाया देश प्रेम का जज्बा

जयसिंह रघुवंशी

स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और देशभक्ति गीत सुनने का अवसर नहीं है, बल्कि उन कहानियों को याद करने का भी दिन है जिन्होंने भारत की आत्मा को समझने में हमारी मदद की। भारतीय सिनेमा ने पिछले कई दशकों में ऐसी अनगिनत कहानियां पढ़ें पर उतारी हैं, जिनमें आजादी की लड़ाई, वीर सैनिकों का बलिदान और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा दिखाई देता है।

फिल्में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होतीं, वे इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी काम करती हैं। कभी भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की गाथा के जरिए, कभी सीमाओं पर लड़ते सैनिकों की वीरता के माध्यम से और कभी खेल के मैदान में तिरंगे की शान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों की कहानी से सिनेमा ने देशभक्ति को अलग-अलग रंगों में पेश किया है। भारत की आजादी की गाथा, आजादी के नायकों और युद्ध आधारित कई फिल्मों में चर्चा करना संभव नहीं है। यहां चुनिंदा फिल्मों के बारे में ही बात की गई है।

आजादी के संघर्ष की कहानियां- जब पढ़ें पर लौटे महानायक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें अलग-अलग विचारधाराओं और रास्तों से जुड़े कई महान लोगों

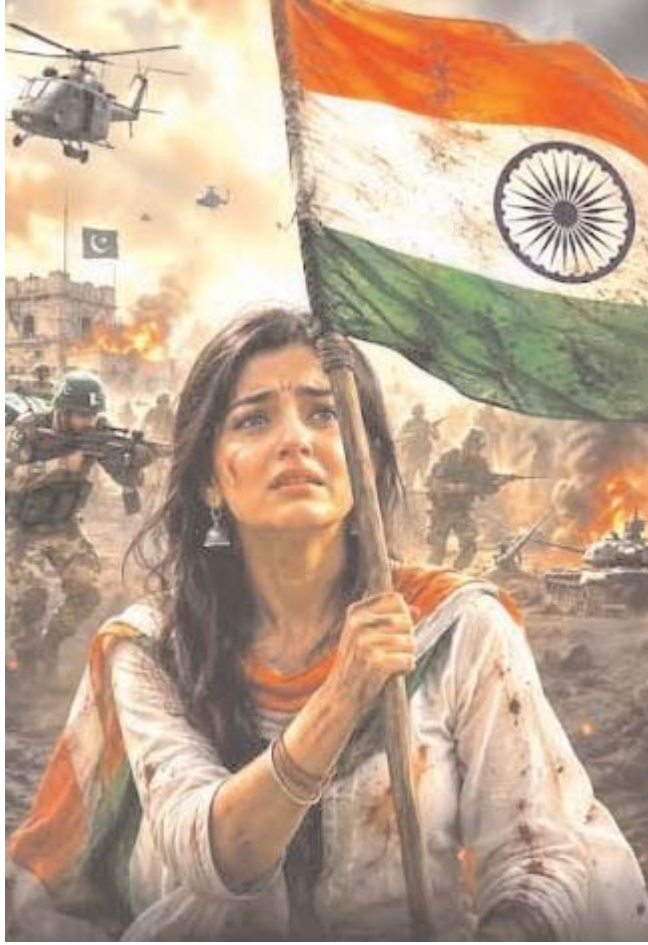
ने योगदान दिया। सिनेमा ने इन किरदारों को समय-समय पर नई पीढ़ी के सामने रखा।

‘शहीद’ (1965) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर बनी उन फिल्मों में शामिल है जिसने क्रांतिकारी भगत सिंह के जीवन को बड़े पर्दे पर प्रभावशाली तरीके से पेश किया। मनोज कुमार अभिनीत इस फिल्म ने भगत सिंह के साहस, विचारों और बलिदान को दर्शकों तक पहुंचाया। बाद में भगत सिंह पर बनी फिल्मों में ‘द लीजेंड ऑफ भगत सिंह’ (2002) भी काफी चर्चित रही।

महात्मा गांधी के जीवन पर बनी ‘गांधी’ (1982) भारतीय इतिहास को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने वाली फिल्मों में शामिल है। रिचर्ड एटनबरो के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बेन किंग्सले ने गांधीजी की भूमिका निभाई थी। फिल्म ने ऑस्कर में आठ पुरस्कार जीतकर दुनिया भर में प्रशंसा हासिल की।

वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के संघर्ष को दिखाने वाली ‘नेताजी सुभाष चंद्र बोस- द फॉरगॉटन हीरो’ (2004) ने आजाद हिंद फौज और नेताजी के योगदान को सामने रखा। श्याम बेनेगल के निर्देशन में बनी यह फिल्म भले ही व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय को पढ़ें पर लाने का काम जरूर किया।

युद्धभूमि में दिखा सैनिकों का साहस



भारत का इतिहास कई युद्धों और चुनौतियों से भरा रहा है। सिनेमा ने इन संघर्षों को केवल हथियारों की लड़ाई के रूप में नहीं, बल्कि सैनिकों के साहस, परिवारों के इंतजार और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना के रूप में भी दिखाया है।

1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित ‘हकीकत’ (1964)

को भारतीय युद्ध फिल्मों की शुरुआती और सबसे प्रभावशाली फिल्मों में गिना जाता है। चेतन आनंद निर्देशित इस फिल्म ने युद्ध की कठिन परिस्थितियों और सैनिकों के बलिदान को बेहद संवेदनशील अंदाज में दिखाया।

इसके बाद 1997 में आई ‘बॉर्डर’ ने युद्ध फिल्मों को नई पहचान दी। जेपी दत्ता की यह

फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान लोंगेवाला की लड़ाई पर आधारित थी। सनी देओल, सुनील शेट्टी और जैकी श्राफ जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म के संवाद, गीत और युद्ध के दृश्य आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं।

कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी ‘लक्ष्य’ (2004) ने सैनिक जीवन के एक अलग पहलू को दिखाया। फिल्म ने बताया कि सेना में शामिल होना केवल वर्दी पहनना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और अनुशासन को अपनाना है।

हाल के वर्षों में ‘उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक’ (2019) और ‘शेरशाह’ (2021), इक्कीसी (2026) जैसी फिल्मों ने आधुनिक दौर की सैन्य कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाया। कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित ‘शेरशाह’ ने उनके साहस और बलिदान को भावनात्मक तरीके से पेश किया।

खेल के मैदान में भी दिखा देश का गौरव

देशभक्ति केवल सीमा पर नहीं, बल्कि खेल के मैदान में भी दिखाई देती है। भारतीय सिनेमा ने इस भावना को भी खूबसूरती से पढ़ें पर उतारा है।

‘चक दे इंडिया’ (2007) ने हॉकी जैसे खेल को देश के गौरव से जोड़ दिया। शाहरुख खान अभिनीत यह फिल्म भारतीय महिला हॉकी टीम की संघर्ष और जीत की कहानी थी। फिल्म का गीत ‘चक दे इंडिया’ आज खेल

और देशभक्ति दोनों का प्रतीक बन चुका है।

इसके बाद आई ‘भाग मिलखा भाग’ (2013) ने महान धावक मिलखा सिंह की जिंदगी को दिखाया। फिल्म ने बताया कि एक खिलाड़ी की मेहनत और सफलता किस तरह पूरे देश का गौरव बन सकती है।

‘मैरी कॉम’ (2014) और ‘दंगल’ (2016) जैसी फिल्मों ने भी भारतीय खिलाड़ियों के संघर्ष को सामने रखा। इन फिल्मों ने दिखाया कि छोटे शहरों और साधारण परिवारों से निकलकर खिलाड़ी कैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करते हैं।

देशभक्ति का सफर जारी रहेगा

भारतीय सिनेमा में देशभक्ति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है। कभी यह आजादी के आंदोलन में दिखाई दी, कभी युद्धभूमि में सैनिकों के साहस के रूप में और कभी खेल के मैदान में जीत के जश्न के रूप में।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऐसी फिल्मों केवल मनोरंजन नहीं करतीं, बल्कि हमें याद दिलाती हैं कि देश का निर्माण केवल इतिहास की किताबों में दर्ज घटनाओं से नहीं हुआ, बल्कि लाखों लोगों के त्याग, संघर्ष और सपनों से हुआ है।

यही वजह है कि देशभक्ति पर बनी फिल्मों हर पीढ़ी के लिए खास बनी रहती हैं। वे हमें अतीत से जोड़ती हैं और भविष्य के लिए प्रेरणा देती हैं।

आपदा प्रबंधन नहीं, आपदा से पहले प्रबंधन जरूरी

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत में हर चार महीने में मौसम बदलता है। गर्मी आती है, फिर बारिश और उसके बाद सर्दी। यह कोई नई बात नहीं है। सदियों से लोग मौसम के इन बदलावों के साथ जीवन जीते आए हैं। लेकिन आज सवाल यह है कि विज्ञान और तकनीक के इस दौर में भी हर मौसम जनता के लिए परेशानी और खतरे का कारण क्यों बन जाता है? गर्मी आते ही पानी की कमी, बिजली की परेशानी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बारिश आते ही सड़कों पर पानी भर जाता है, नालियां बंद हो जाती हैं और कई जगह घरों तथा दुकानों में पानी घुस जाता है। सर्दी आते ही गरीब, बेघर और खुले में काम करने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इनमें से बहुत-सी परेशानियां अचानक नहीं आतीं। प्रशासन को इनके आने का अनुमान पहले से होता है, फिर भी तैयारी अक्सर समय पर नहीं होती।

मौसम की मार को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता। तेज गर्मी, भारी बारिश, शीतलहर या बाढ़ प्रकृति का हिस्सा हैं। लेकिन इनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। यही

प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यदि किसी क्षेत्र में हर साल गर्मी में पानी की समस्या होती है, तो गर्मी शुरू होने से पहले वहां पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। यदि किसी सड़क पर हर वर्ष बारिश में पानी भरता है, तो बारिश से पहले उसकी जल निकासी की समस्या दूर होनी चाहिए। यदि किसी इलाके में सर्दी के दौरान बड़ी संख्या में गरीब और बेघर लोग खुले में रहते हैं, तो ठंड शुरू होने से पहले उनके लिए सुरक्षित स्थान तैयार होने चाहिए। लेकिन अक्सर इसके उलट होता है। समस्या पहले आती है और तैयारी बाद में शुरू होती है।

भारत में मौसम की जानकारी देने वाली संस्थाएं लगातार पूर्वानुमान जारी करती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग गर्मी, भारी बारिश, शीतलहर और अन्य मौसम संबंधी खतरों की चेतावनी देता है। इसके बावजूद केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी का असली महत्व तब है जब प्रशासन उस सूचना के आधार पर समय रहते काम शुरू करे। यदि मौसम विभाग कहता है कि अगले कुछ दिनों में अत्यधिक गर्मी पड़ सकती है, तो उसी समय अस्पतालों, पानी की व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों की तैयारी शुरू

हो जानी चाहिए। यदि भारी बारिश का अनुमान है, तो नालियों की सफाई, जल निकासी, पंप और बचाव दल पहले से तैयार होने चाहिए। यदि शीतलहर की संभावना है, तो रैन बसेरों और गरीबों के लिए जरूरी सामान की व्यवस्था पहले से होनी चाहिए।

गर्मी के मौसम को ही लें। गर्मी बढ़ने के बाद प्रशासन अक्सर लोगों से पानी पीने, धूप से बचने और दोपहर में बाहर न निकलने की सलाह देता है। यह सलाह जरूरी है, लेकिन केवल सलाह से समस्या हल नहीं होती। उन लोगों के बारे में भी सोचना होगा जो रोज कमाने के लिए धूप में काम करने को मजबूर हैं। निर्माण मजदूर, सड़क कर्मचारी, रिक्शा चालक, ठेला लगाने वाले, डिलीवरी कर्मचारी और खेतों में काम करने वाले लोगों के लिए घर में रहना संभव नहीं होता। ऐसे लोगों के लिए काम के समय में उचित बदलाव, पीने के पानी, छाया और प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता की व्यवस्था पहले से होनी चाहिए।

इसी तरह जिन शहरों और गांवों में गर्मी के दिनों में पानी की कमी होती है, वहां गर्मी शुरू होने के बाद टैंकर भेजना

स्थायी समाधान नहीं है। प्रशासन को पहले से पता होता है कि कौन-से इलाके पानी की कमी से प्रभावित होते हैं। वहां वैकल्पिक जल स्रोत, टैंकरों की व्यवस्था और पानी की नियमित आपूर्ति की योजना पहले बनाई जा सकती है। हर वर्ष वही संकट दोहराना और हर वर्ष उसी समय समाधान खोजने की कोशिश करना प्रशासनिक कमजोरी का संकेत है।

सर्दी में भी यही समस्या दिखाई देती है। ठंड बढ़ने के बाद रैन बसेरे खोजने या कंबल बांटने से बेहतर है कि सर्दी शुरू होने से पहले ही तैयारी पूरी कर ली जाए। फुटपाथ पर रहने वाले लोग, मजदूर, रिक्शा चालक, वृद्ध और गरीब परिवार ठंड से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके लिए सुरक्षित और साफ रैन बसेरे, गर्म कपड़े, कंबल और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से उपलब्ध होनी चाहिए। केवल रैन बसेरे खोल देना भी पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना जरूरी है कि वे वास्तव में लोगों के लिए उपयोगी हैं या नहीं।

बारिश का मौसम प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी परीक्षा होता है। हर साल मानसून से पहले नालियों की सफाई की बातें होती हैं। फिर पहली तेज बारिश में कई

शहरों की सड़कें पानी में डूब जाती हैं। यातायात रुक जाता है और लोगों को घंटों परेशानी होती है। कई जगह बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। निचले इलाकों में पानी घरों और दुकानों तक पहुंच जाता है।

भारी बारिश को रोका नहीं जा सकता, लेकिन शहर को पानी में डूबने से बचाने के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। नालियों की सफाई समय पर होनी चाहिए। जहां जलभराव की समस्या बार-बार होती है, वहां केवल बारिश के समय पानी निकालने के बजाय स्थायी समाधान खोजा जाना चाहिए। नालियों की क्षमता बढ़ाना, पानी के प्राकृतिक रास्तों को बचाना, जरूरी जगहों पर पंप लगाना और कमजोर सड़कों तथा पुलों की जांच करना बारिश से पहले किया जा सकता है।

यह समझना भी जरूरी है कि हर जलभराव केवल प्रकृति की गलती नहीं है। यदि नाली कूड़े से भरी है, पानी निकलने का रास्ता बंद है या किसी प्राकृतिक जलमार्ग पर गलत निर्माण हो गया है, तो इसके लिए प्रशासनिक व्यवस्था भी जिम्मेदार हो सकती है। यदि किसी एक जगह पर हर वर्ष पानी भरता है, तो उस समस्या को स्थायी रूप से हल करने की कोशिश क्यों नहीं

होती? जनता को हर साल उसी सड़क पर पानी में चलने के लिए मजबूर करना किसी भी अच्छे प्रशासन की पहचान नहीं हो सकती। शहरों के साथ गांवों में भी पहले से तैयारी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भारी बारिश से सड़क संपर्क टूट सकता है। नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ सकता है। बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ऐसे क्षेत्रों की पहले से पहचान होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की योजना पहले तैयार होनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायतों को पता होना चाहिए कि संकट के समय किसे क्या करना है।

इस पूरी व्यवस्था में स्थानीय प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मौसम की तैयारी केवल जिला अधिकारी या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग, जल विभाग, बिजली विभाग, लोक निर्माण विभाग, पुलिस, अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मिलकर काम करें। हर विभाग के काम की समय सीमा तय हो और यह भी देखा जाए कि काम वास्तव में हुआ या नहीं।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश, सैकड़ों छात्राओं ने लिया हिस्सा

वीआरजी कॉलेज की छात्राओं ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

ग्वालियर जीएनएस
विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरार की छात्राओं ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत भव्य तिरंगा रैली निकालकर क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। रैली में महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस और स्पोर्ट्स विंग की सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा रैली महाविद्यालय परिसर से शुरू होकर मुरार नगर, सात नंबर चौराहा, छह नंबर चौराहा और रामलीला मैदान होते हुए वापस महाविद्यालय परिसर पहुंची। हाथों में तिरंगा धामे छात्राओं ने पूरे मार्ग में 'हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा', 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'स्वतंत्रता अमर रहे' जैसे नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।



प्रेरित किया।

युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके श्रीवास्तव ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने, लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और सकारात्मक सोच के

साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला।

युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी - डॉ. सक्सेना

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजेश कुमार सक्सेना ने युवाओं की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। राष्ट्र के विकास के लिए युवाओं की सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. राजवीर सिंह किरार, डॉ. यश दुबे, डॉ. कंचन सिंह नगेल, डॉ. रूपेश पल्लव, डॉ. अवधेश कुमार निरंजन, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. रेनू नायर एवं डॉ. बलबीर सिंह गुर्जर सहित महाविद्यालय का स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन डॉ. जयंत कोष्टी ने किया तथा आभार डॉ. शर्मिला जैन ने व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर उच्च न्यायालय में होंगे दो दिवसीय कार्यक्रम

14 को बीएसएफ टेकनपुर के बैंड की प्रस्तुति, 15 को ध्वजारोहण के बाद होगा पौधरोपण

ग्वालियर जीएनएस
80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की अध्यक्षता में होंगे। विधिक सहायता अधिकारी सनातन सेन ने बताया कि 14 अगस्त को उच्च न्यायालय परिसर में शाम 5 बजे बीएसएफ टेकनपुर के बैंड की प्रस्तुति होगी। बैंड की

प्रस्तुति के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत की जाएगी। **15 अगस्त को ध्वजारोहण और पौधरोपण :** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सुबह 9 बजे उच्च न्यायालय परिसर में ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

करैरा में 'हर घर तिरंगा' की गुंज, निकली भव्य तिरंगा यात्राएं

शिवपुरी/करैरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करैरा में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशभक्ति से ओतप्रोत माहौल देखने को मिला। अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय करैरा और भारतीय जनता पार्टी द्वारा अलग-अलग तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.

जितेन्द्र गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रसेवा के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. रोहित यादव, डॉ. देवेन्द्र कोली, सुश्री प्रियंका तिवारी सहित महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

लूट, डकैती, नशे और सट्टे पर रोक लगाने की मांग; विदेशी कर्ज से मुक्ति के लिए आज सद्बुद्धि यज्ञ

बढ़ते अपराध और साइबर फ्रॉड के विरोध में हिंदू महासभा ने सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर जीएनएस
बढ़ते अपराध और साइबर धोखाधड़ी के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा ग्वालियर की ओर से बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता, जिला अध्यक्ष लोकाश शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष आनंद माहौर और संगठन मंत्री रोहित जाटव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अपराध के डीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार को ज्ञापन सौंपा।

संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि शहर में लूट, डकैती, हत्या, नशे और सट्टे जैसी गतिविधियां बढ़ रही हैं। साइबर धोखाधड़ी के मामलों में भी आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। संगठन ने अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और साइबर अपराधों के खिलाफ

सख्त कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम का संचालन राहुल गुप्ता ने किया। **विदेशी कर्ज से मुक्ति और अखंड भारत के लिए होगा सद्बुद्धि यज्ञ :** हिंदू महासभा भवन दौलतगंज में आयोजित बैठक में 13 अगस्त को सद्बुद्धि यज्ञ करने का निर्णय लिया गया। संगठन के अनुसार अखंड भारत प्रतिज्ञा दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को शाम 4 बजे हिंदू महासभा भवन में यज्ञ आयोजित होगा।

संगठन ने बताया कि यज्ञ में भारत को विदेशी कर्ज से मुक्ति दिलाने और अखंड भारत के निर्माण की कामना की जाएगी। इसमें अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रामबाबू सेन, संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता और युवा जिला अध्यक्ष आनंद माहौर मुख्य यजमान के रूप में शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष लोकाश शर्मा ने की।

प्राचीन मंदिर का रास्ता रेंजबालों द्वारा बंद करने का आरोप, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

शिवपुरी जीएनएस
ग्राम बुड़ीबरौद, गढ़ीबरौद के ग्रामीणों ने अपने गांव के प्राचीन मंदिरों तक जाने वाले रास्ते को रेंजबालों द्वारा बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को आवेदन सौंपकर रास्ता खुलवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से उन्हें पूजा-पाठ एवं धार्मिक आयोजनों के लिए मंदिर तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने आवेदन में

बताया कि गांव में प्राचीन शिव मंदिर, हनुमान मंदिर एवं मइया मंदिर स्थित हैं। इन मंदिरों तक जाने वाला रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण ग्रामीणों के पास पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए पहुंचने का कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं बचा है। आवेदन में ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों द्वारा करीब 200 बीघा जमीन को घेर लिया गया है तथा वन विभाग की ओर से

कथित रूप से कोई रोकथाम नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार रेंजबालों की कॉलोनी बीट के तालाबों पर भी कब्जा होने के कारण गांव के मवेशियों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की जांच कर अतिक्रमण हटवाया जाए और

प्राचीन मंदिर तक आने-जाने का रास्ता खुलवाया जाए, ताकि ग्रामीण नियमित रूप से पूजा-पाठ कर सकें। शिकायती आवेदन में ग्रामीणों ने कहा कि मंदिर का रास्ता बंद होने से गांव की बहन-बेटियों के लिए भी पूजा करने एवं धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करने में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर रास्ता उपलब्ध कराने की मांग की है।

15 अगस्त को एसएएफ मैदान पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे ध्वजारोहण, संयुक्त परेड की लेंगे सलामी

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां लगभग पूर्ण, मुख्य समारोह की फाइनल रिहर्सल



ग्वालियर जीएनएस
जिले में गौरवशाली भारतवर्ष का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, धूमधाम और गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को कम्प्यू स्थित एसएएफ मैदान पर आयोजित होगा। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे और संयुक्त परेड की

सलामी लेंगे। मुख्य समारोह की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। गुरुवार को एसएएफ मैदान पर संयुक्त परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित समारोह में होने वाले सभी कार्यक्रमों की फुल ड्रेस और फाइनल रिहर्सल की गई। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी कार्यक्रमों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर अपर

कलेक्टर सीबी प्रसाद एवं अनिल बनवारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर, एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। **मुख्यमंत्री के संदेश का होगा सीधा प्रसारण :** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह 9:25 से 9:55 बजे तक

प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन करेंगे। मुख्यमंत्री के संदेश का एसएएफ मैदान में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में सीधा प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री का संदेश सुनाने के लिए एसएएफ मैदान पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है। मुख्यमंत्री के संदेश के बाद मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर जिले के लिए अपना संक्षिप्त संदेश देंगे।

भाकपा के राष्ट्रीय आह्वान 06 अगस्त 15 के तहत डबरा में सातवें दिन पदयात्रा संपन्न

डबरा, जीएनएस।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय पदयात्राओं के आह्वान के तहत डबरा जिला ग्वालियर में सातवें दिन पदयात्रा आज दोपहर 11 बजे डबरा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय नगर पालिका रोड से प्रारंभ हो कर शहर के प्रमुख मार्ग पर पदयात्रा, पर्चा वितरण, जनसंपर्क कर सभा की। पदयात्रा का नेतृत्व डबरा ब्रांच कमिटी सहसचिव कॉमरेड मनोज बाथम, कॉमरेड दुर्गा मौर्य, कॉमरेड सामनदे आदिवासी ने किया।

पदयात्रा के दौरान सभा को म

प्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड संजीव राजपूत, कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट, कॉम अनवर खान ने संबोधित करते हुए कहा कि देश की मेहनतकश जनता, किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान, महिलाएं, नोटबंदी से पीड़ित व्यवसायी वर्ग, कर्मचारी सभी केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण त्राहियाम है सभी बदलाव चाहते हैं।

बदलाव जरूरी है क्योंकि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद भारत के संवैधानिक मूल्यों,



लोकतन्त्र, अभिव्यक्ति की आजादी, सामाजिक न्याय, समाजवाद, धर्म निरपेक्षता, सार्वजनिक क्षेत्र, मेहनतकश जनता

के हितों पर संकट पैदा किया है। छात्र और नौजवानों पर आंदोलन के दौरान क़रूरत पूर्वक हमले किए जा रहे हैं। देश की सभी संस्थाओं

पर पूर्ण कब्जा कर लिया है देश की संपत्ति को बड़े पूंजीपतियों को सोपा जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप नौजवानों को रोजगार नहीं। पूंजीवादी और फासीवादी ताकतों के जन विरोधी गठजोड़ से जनता बेहाल है। लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ध्वस्त किया गया है। भारत सरकार की अमेरिकी साम्राज्यवाद परस्त नीतियों से सारी दुनिया में भारत की छवि पर आंच आई है। ऐसे संकट के समय में जनहित के लिए हमारी

प्रतिबद्धता और फासीवाद के प्रतिरोध के संकल्प की अभिव्यक्ति तथा मेहनतकश जनता की पक्षधर राजनीतिक चेतना के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 6 से 15 अगस्त तक पदयात्रा की जा रही है। आम जनता से अपील है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आह्वान बदलाव जरूरी है को साकार करने नई दिल्ली रामलीला मैदान में 01 सितंबर 26 को आयोजित विशाल आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने एवं संघर्ष फंड में अपना आर्थिक सहयोग देने की अपील है।

पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, दतिया में 'व्यावसायिक बकरी पालन' प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ



दतिया, जीएनएस।

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के अंतर्गत पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय (एचएचएस), दतिया में 12 अगस्त 2026, से 'व्यावसायिक बकरी पालन' विषय पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं किसानों के ज्ञान और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना, उन्हें वैज्ञानिक एवं आधुनिक बकरी पालन की तकनीकों से परिचित

कराना तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को बकरी पालन के वैज्ञानिक प्रबंधन, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, प्रजनन, आवास व्यवस्था, चारा प्रबंधन तथा व्यावसायिक फार्म प्रबंधन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। इससे प्रतिभागी बकरी पालन को एक लाभकारी एवं टिकाऊ व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकेंगे।

दतिया, जीएनएस।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (हाल्स) के अंतर्गत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (एचएचओ) हेतु 3 दिवसीय VIA (Visual Inspection with Acetic Acid) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन 10 से 12 अगस्त 2026 तक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीन डॉ. प्रो. दीपक मरावी के मार्गदर्शन एवं अनुमति तथा विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. श्वेता यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की सह प्राध्यापक डॉक्टर अमिता शर्मा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. विधि सिंह के साथ विभाग के सभी संकाय सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

प्रशिक्षण में दतिया, शिवपुरी एवं



अशोकनगर जिलों से आए 35 एचएचओ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एचएचओ को सर्वांगिकल कैंसर की प्रारंभिक स्क्रीनिंग, संदिग्ध मामलों की पहचान, उचित परामर्श एवं समयबद्ध रेफरल हेतु आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 10 अगस्त 2026 को

आयोजित किया गया। इस अवसर पर डीन डॉ. प्रो. दीपक मरावी, एचएचओ डॉ. बी.के. वर्मा, मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डॉ. सचिन सिंह यादव, पीएसएम विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप शुक्ला, फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक वर्मा, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण टैगोर, डर्मेटोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत हरित, पीडियाट्रिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ.

टी.एन.एस. गौर, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक मेहता, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक शर्मा एवं मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमृता चौहान सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सर्वांगिकल कैंसर की समय पर स्क्रीनिंग एवं प्रारंभिक पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एचएचओ को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी उपयोग करने हेतु प्रेरित किया प्रथम दिवस डू सैद्धांतिक प्रशिक्षण-प्रथम दिवस पर सर्वांगिकल कैंसर की रोकथाम एवं प्रारंभिक पहचान, डूडू की उपयोगिता एवं प्रक्रिया, स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल, एचएचओ की भूमिका तथा मरीजों की काउंसलिंग एवं रेफरल प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की गई।

ऑटो रिक्शा पलटने पर चार छात्राएं हुई घायल एक छात्रा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल किया रेफर

जालौन, जीएनएस।

बुधवार को विद्यालय निर्धारित समय में 18 वर्षीय छात्रा नैना 17 वर्षीय निशा 18 वर्षीय अनामिका 17 वर्षीय चंचल निवासी छौक समेत चारों छात्राएं अपने गांव से ऑटो रिक्शा में सवार होकर एम एसबी इंटर कॉलेज कालपी पूर्व की तरह शिक्षा ग्रहण करने आ रही थी वही हाईवे स्थित मोती नगर सामने अचानक

असंतुलित होकर ऑटो पलट गया ऑटो में सवार चारों छात्राएं बुरी तरह घायल हो गई घटना की सूचना पाकर ग्राम वासी पहुंचे वहीं सूचना पाकर हाईवे की एंबुलेंस आ गई सड़क में घायल छात्राओं को उठाकर एंबुलेंस में बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने घायल

छात्राओं की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति में नैना छात्रा को प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उर्ई रेफर किया शेष तीन घायल छात्राओं को स्वास्थ्य टीम लगाकर इलाज शुरू किया घटना की सूचना पाकर विद्यालय प्रवक्ता आनंद शर्मा ने अस्पताल में पहुंचकर छात्राओं के दुख दर्द को जाना तथा स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की।

तहसीलदार अभिनव तिवारी भावभीनी विदाई कर सर्वाधिक किया स्वागत तथा उपहार देकर किया सम्मानित

जालौन, जीएनएस।

मंगलवार की शाम लेखपाल संघ शाखा कालपी तत्वावधान में कालपी से जालौन स्थानांतरित होकर गये तहसीलदार अभिनव तिवारी को जहां भावभीनी विदाई कर अभूतपूर्व स्वागत किया वहीं उर्ई से आये नवागंतुक तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से कालपी उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य भी मौजूद रहे मंच में दोनों



तहसीलदारों के अलावा नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला नायब तहसीलदार प्रिंस कुमार आदि भी मौजूद रहे संचालन सत्येंद्र महान ने किया मौके पर कार्यक्रम को उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि जो व्यक्ति सर्विस में आया

है उसे एक जगह से दूसरी जगह तबादले पर जाने की सतत प्रक्रिया है हर किसी दिन व्यक्ति कुछ न कुछ सीखता है लेखपाल कालपी तहसील को अच्छा बनाने हेतु अपने साथी लेखपालों से वार्ता करें कानूनगो से वार्ता करें नायब तहसीलदारों से वार्ता करें तहसील दार साहब से वार्ता करें मुझसे भी समय समय पर मिलकर सही हल निकालने का प्रयास करें मौके पर कालपी से जालौन गये।

पास्को छेड़खानी आरोपी अभियुक्त को कालपी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

जालौन, जीएनएस।

एक गांव में दलित किशोरी छेड़खानी की घटना पर दर्ज मुकदमे के आरोपी अभियुक्त को सीओ के निर्देश पर कालपी कोतवाली पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर मुकदमे से संबंधित धाराओं में पुलिस अभिरक्षा में अभियुक्त को जेल भेजा।

ग्राम बरदौली की 15 वर्षीय किशोरी छात्र 29 जुलाई विद्यालय निवाड़ी शिक्षा ग्रहण करने गई हुई थी वहीं उक्त गांव के युवक ने छेड़खानी तथा आए दिन अश्लील हरकतें कर घटना को अंजाम दिया था उक्त घटना में पीड़ित की

तहरीर पर कालपी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना पुलिस उपाधीक्षक को जांच सौंपी थी मुकदमे में जांच दौरान किशोरी लड़की की छेड़खानी एवं जाति सूचक गाली देकर जान से मारने की धमकी की घटना सही साबित होने पर ग्राम निवाड़ी निवासी आरोपी प्रिंस पुत्र राज पाल को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर संबंधित मुकदमा की धारा में अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टररी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

तिरंगा रैली राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में उमड़ा जन सैलाब हिंदुस्तान के नारों से नगर चहुओर हुआ रोमांचक

जालौन, जीएनएस।

प्रदेश सरकार के आवाहन पर कड़ी सुरक्षा के चलते विधायक एवं पूर्व विधायकों तथा स्थानीय भाजपा एवं छात्राओं हजारों की संख्या में भाजपा कार्यालय से घोड़ा रथ पर भगवान की प्रतिमा रखी हुई के तहत तिरंगा रैली का आगाज किया।

बुधवार को लगभग 4 बजे टरननगंज कालपी स्थित भाजपा कार्यालय से कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी पूर्व विधायक डॉक्टर अरुण महरोत्रा पूर्व



विधायक नरेंद्र सिंह जादौन विधायक प्रतिनिधि आशीष उर्फ आशु चतुर्वेदी गौ सेवा सदस्य राकेश सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश स्वरूप बाजपेई भाजपा नेता शशिकांत सिंह चौहान कल्लू ठाकुर ब्राह्मण समाज के जिला

अध्यक्ष राजू पाठक रेखा वर्मा सभासद ज्योति उषा शुक्ला विश्वकर्मा मुन्ना चौधरी राजकुमार गुप्ता पतरा वाले संजय गुप्ता संजय सविता प्रेम कुमार गुप्ता राहुल मिश्रा वैभव बिश्नोई सर्वोदय विद्यालय संचालक सैल बिश्नोई रंजीत सिंह यादव ठक्कर बापा इंटर कॉलेज लिपिक अनुपम पुरवार उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल सभासद सुनील पटवा विजय शुक्ला मनोज चतुर्वेदी आकाश द्विवेदी हर्षित खन्ना रामशंकर पुरवार लाला संजय

सोनकर बाबू सिंह यादव दीपू सिंह यादव प्रधान गपोले सिंह राकेश पुरवार पूर्व सभासद राकेश पुरवार आशीष चतुर्वेदी विजय सिंह राजेंद्र साहू देवेन्द्र साहू दीपू यादव आदि जन सैलाब की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा कार्यालय से टरननगंज से होती हुई बाजार से होती हुई आलमपुर खोया मंडी से होती हुई टरननगंज चौराहे से राम जानकी चौराहे से होती हुई मुन्ना फुल पावर चौराहे से होते हुए कार्यालय में गगन भेदी नारों से तिरंगा रैली का समापन किया गया।

अखंडानंद आश्रम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ आनन्द जयंती महोत्सव

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)
वृन्दावन। मोतीझील स्थित अखंडानंद आश्रम (आनंद वृन्दावन) में आश्रम के संस्थापक स्वामी अखंडानंद सरस्वती महाराज का जन्म महोत्सव आनंद जयंती के रूप में अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया।
सर्वप्रथम पूज्य महाराजश्री की प्रतिमा एवं गुरु चरण पादुकाओं का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन-अर्चन किया गया। तत्पश्चात संत-विद्वत् सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें अपने विचार व्यक्त करते हुए निर्मल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानदेव महाराज (हरिद्वार) एवं

श्रीउमा शक्ति पीठाधीश्वर दंडीस्वामी रामदेवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि मन, बुद्धि व शरीर की शक्ति की सीमा होती है। सन्त मातृ हृदय होते हैं। आनंद वृन्दावन आश्रम की परम्परा विश्व प्रतिष्ठित है। महाराजश्री के द्वारा रचित साहित्य का अवलोकन करने से उनका परिचय प्राप्त होता है। शरीर की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि उसमें एक महान आत्मा का प्रवेश होता है।
सन्त प्रवर स्वामी गोविंदानंद तीर्थ महाराज व पण्डित राजाराम मिश्र ने कहा कि महापुरुषों की सदकीर्ति सतत सहज प्रवाहमान होती है। सदगुरु हमारे दोषों को दूर



कर बुद्धि को निर्मल करते हैं। ऐसा कोई विषय नहीं है जिस पर महाराजश्री ने न लिखा हो।
आश्रम के अध्यक्ष आचार्य महन्त स्वामी श्रवणानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि महाराजश्री प्रेम व वैराग्य की साकार मूर्ति

थे। संन्यास का जीवन दिव्यातिदिव्य है। महाराजश्री ब्रह्मनिष्ठा के साक्षात् प्रतीक हैं। पावन प्रसंग में वर्णित संस्मरणों में महाराजश्री का परिचय प्राप्त होता है। भौतिक वस्तुओं से सुख की प्राप्ति नहीं होती बल्कि अपने को जान कर ही सुख की

प्राप्ति सम्भव है। प्रख्यात साहित्यकार-यूपी रत्न- डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं स्वामी रमेशानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि महाराजश्री साक्षात् प्रेम के स्वरूप थे। उनकी दृष्टि में सभी समान थे। भक्ति वेदांत की व्याख्या उन्होंने बड़े ही सहज रूप में की है।
इस अवसर पर ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद सरस्वती महाराज द्वारा प्रणीत ग्रंथ 'आनंद रस रत्नाकर' के गुजराती भाषा में हुए अनुवादित ग्रंथ का अत्यंत हर्षोल्लास के साथ लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में स्वामी शिवस्वरूप महाराज, स्वामी महेशानंद सरस्वती महाराज, स्वामी

प्रेमानंद सरस्वती, रामचेतन महाराज, वासुदेव दास महाराज, दिनेश चन्द्र शास्त्री, आचार्य विवेक शास्त्री, आचार्य अखिलेश शास्त्री, हरीश अग्रवाल, अखंडानंद आश्रम के प्रबंधक विजय द्विवेदी, आचार्य मनोज शुक्ला, आध्यात्मिक पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संचालन संत सेवानंद ब्रह्मचारी महाराज ने किया।
महोत्सव का समापन संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ। जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग, जिला-ग्वालियर की कार्यवाही

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर कलेक्टर आदरणीया श्रीमती रुचिका चौहान* के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन, सहायक आबकारी आयुक्त, जिला-ग्वालियर श्री राजनारायण सोनी* के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रह तथा परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर व्रत भितरवार के दुबहा दोबही, चक कटना, लाल डांडा क्षेत्र में अवैध मदिरा की सूचना पर मय आबकारी बल के दबिश दी



7 दौरे पर दबिश प्लास्टिक की थैलियों में कुल 32 लीटर हाथभट्टी मदिरा तथा प्लास्टिक के ड्रमो, गड्डों, टंकियों में कुल 5000 ग्राम गुड़ लहान बरामद हुआ 7 साथ ही भट्टी भी मौके पर बरामद की गई। गुड़ लहान का सेम्पल लेकर शेष गुड़ लहान को फैलाकर

नष्ट किया गया 7 आज की गई कार्यवाही में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किये गए 7 हाथ भट्टी मदिरा तथा नष्ट गुड़ लहान, अन्य जप्त सामग्री की कुल अनुमानित मूल्य लगभग 5,20,000 /रु है 7

उक्त कार्यवाही *ग्वालियर कंट्रोल रूम प्रभारी x सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजेश तिवारी के निर्देशन में एवं आबकारी उप निरीक्षक हर्षेंद्र सिंह मावई, उपनिरीक्षक रवि सिसोदिया, उपनिरीक्षक रोशनी पाटीदार तथा मुख्य आरक्षक राजेंद्र अहिरवार, प्रकाश सखवार, आरक्षक गण कपिल गुगनानी, राजेंद्र जोनवार, भरत, रुचि कुशवाहा, बादल अहिरवार, पवन यादव, दिव्यांश गौड़, संजय दोहरे, अंजू खोईया, नीता राजावत, राघवेंद्र भदौरिया, अमन राजावत, देवेश शर्मा अन्य स्टाफ * का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

व्हीआईएसएम कॉलेज में 15 एमपी बटालियन का CATC-41 कैंप शुरू, 475 कैडेट्स लेंगे प्रशिक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
व्हीआईएसएम ग्रुप आफ स्टडीज के परिसर में बुधवार से 15 एमपी बटालियन, ग्वालियर का Combined Annual Training Camp (CATC-41) शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण शिविर 12 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर, सागर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, दतिया एवं शिवपुरी के विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों से लगभग 475 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। कैंप के प्रथम दिवस व्हीआईएसएम परिसर में पहुंचे कैडेट्स का स्वागत किया गया। इसके बाद सभी कैडेट्स का दस्तावेजीकरण एवं पंजीयन कराया गया तथा उन्हें कैंप के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न

प्रशिक्षण गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कैडेट्स को अनुशासन, प्रशिक्षण एवं कैंप की व्यवस्थाओं के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। दस दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को ड्रिल, फायरिंग, शारीरिक प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं विभिन्न एनसीसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का उद्देश्य कैडेट्स में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है। इस अवसर पर 15 एमपी बटालियन, ग्वालियर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल देवेन्द्र सिंह वर्मा, एडीएम संजीव सारिन सहित बटालियन के अधिकारी एवं प्रशिक्षण दल उपस्थित रहे।

शीघ्र एचआईवी जांच और उपचार से एचआईवी महामारी पर नियंत्रण संभव : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।
अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश में 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशव्यापी एचआईवी/एड्स सघन जागरूकता अभियान का शुभारंभ हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने वीडियो संदेश में कहा कि समय पर एचआईवी जांच और उपचार से संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से बिना संकोच एचआईवी जांच कराने तथा संक्रमित व्यक्तियों

से एआरटी उपचार प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने गर्भवती माताओं की गर्भावस्था के प्रथम तीन माह में एचआईवी, सिफलिस एवं हेपेटाइटिस-बी की जांच कराने पर भी जोर दिया। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा कमला नगर सिविल डिस्पेंसरी में आयोजित कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर

अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि एचआईवी के नियंत्रण एवं रोकथाम में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।
उन्होंने युवाओं से ब्रेकफ्री इंडिया पोर्टल के माध्यम से एचआईवी जोखिम का आकलन करने एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया। अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों, सघन शहरी बस्तियों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, ग्राम सभाओं और ग्राम स्वास्थ्य समितियों के

माध्यम से व्यापक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान में प्रदेश की जनता, संस्थाओं एवं संगठनों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालक भोपाल संभाग डॉ. नीरा चौधरी, सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा, संयुक्त संचालक श्रीमती सविता ठाकुर सहित स्वास्थ्य विभाग एवं मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिरंगे की शान में उमड़ा जनसैलाब, धनौली में गुंजा राष्ट्रगौरव का संदेश

आगरा, जीएनएस।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर धनौली मंडल में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता उपेन्द्र सिंह ने सहभागिता कर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। यात्रा में उत्तरप्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मोर्य, वरिष्ठ भाजपा नेता उपेंद्र सिंह, नीरज परमार, मानवेन्द्र सिंह तोमर, फौरन सिंह राठौर, डॉ सुजान सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, क्षेत्रीय नागरिकों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक

भाग लिया।
यात्रा के दौरान नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने और अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश के गौरव को बढ़ाने का आह्वान किया गया। धनौली के प्रधान प्रतिनिधि लोकेश कुमार ने यात्रा का स्वागत कर वरिष्ठजनों का सम्मान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रसेवा का प्रेरक संदेश दिया गया।



हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रस्म पगड़ी का प्रकाशन निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर शिवपुरी

☎ 0751-2625029 ☎ 07492-232149

☎ 9074257600 ☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

हाउस टैक्स विरोधी आंदोलन में बड़ा मोड़, 15 अगस्त को 12 व्यापारियों के आत्मदाह की चेतावनी

गाजियाबाद, जीएनएस। नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में की गई वृद्धि के विरोध में नवयुग मार्केट में हाउस टैक्स विरोधी संघर्ष समिति के नेतृत्व में चल रहा व्यापारियों का धरना गुरुवार को आठवें दिन भी जारी रहा। लगातार आठ दिनों से आंदोलन चलने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर व्यापारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। धरना स्थल पर आंदोलन के आयोजक राजकिशोर गुप्ता ने प्रशासन को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा कि यदि व्यापारियों की हाउस टैक्स संबंधी मांगों को स्वीकार नहीं किया गया और बढ़े

हुए हाउस टैक्स के संबंध में शीघ्र राहत नहीं दी गई, तो 15 अगस्त को 12 व्यापारी आत्मदाह जैसा अत्यंत कठोर कदम उठाने की घोषणा पर अडिग हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी पिछले कई दिनों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को प्रशासन और नगर निगम के सामने रख रहे हैं। लगातार धरना, ज्ञापन और वार्ता के प्रयासों के बावजूद यदि समाधान नहीं निकलता है तो परिस्थितियां बेहद गंभीर हो जाएंगी। समिति ने प्रशासन से अपील की कि इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए 15 अगस्त से पहले तत्काल हस्तक्षेप कर व्यापारियों



की मांगों पर ठोस निर्णय लिया जाए और किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। आज युवा दिवस के अवसर पर धरना स्थल से युवा व्यापारियों को आंदोलन में सक्रिय रूप से आगे आने और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान

किया गया। व्यापारियों ने कहा कि आज की तद्वृत्त युवा पीढ़ी अपनी बात खुलकर रखने, अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने और नेतृत्व करने के लिए जानी जाती है। इसलिए हाउस टैक्स जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर युवा व्यापारियों

को भी आगे आकर अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। समिति ने कहा कि यह आंदोलन केवल कुछ व्यापारियों का आंदोलन नहीं है, बल्कि शहर के व्यापारियों और आम नागरिकों से जुड़ा विषय है। आने वाले दिनों में युवा व्यापारियों की भागीदारी बढ़ाकर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। अधिकारियों को संदेश-अब युवा शक्ति भी आंदोलनरत होगी धरना स्थल से नगर निगम और प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब आंदोलन में युवा व्यापारियों की भागीदारी भी बढ़ेगी। व्यापारियों ने कहा कि अब

युवा शक्ति भी आंदोलनरत होगी और अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगी। युवा व्यापारियों से विभिन्न बाजारों में संपर्क करने, व्यापारियों को जागरूक करने और आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन दिलाने की अपील की गई। स्वतंत्रता दिवस से पहले निर्णय ले प्रशासन व्यापारियों ने कहा कि 15 अगस्त देश की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण अवसर से पहले प्रशासन को हाउस टैक्स के मुद्दे पर सकारात्मक और ठोस निर्णय लेना चाहिए।

समाज को दिशा दिखाने वाले भक्तों का उद्धार कराने वाले दो दर्जन से अधिक संत महंत व पुजारीयों का किया गया सम्मान

पोरसा, जीएनएस। प्रथम पत्रकार स्वर्गीय श्री घनश्याम दास गुप्ता की 22 में पुण्यतिथि भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर घनश्याम दास आध्यात्मिक ज्योतिष ज्ञान प्रचार प्रसार समिति ने मनाई, इस मौके पर समाज को मार्गदर्शन देने वाले तथा भक्तों का उद्धार कराने वाले संत महंत व पुजारीयों का साल और श्रीफल से सम्मान किया गया सम्मान राधा कृष्ण गुप्ता, कौशल किशोर गुप्ता व दिवेश कुमार गुप्ता ने किया सम्मान पाने वालों में महामंडलेश्वर महंत नारायण दास महाराज, महंत रामकिशोर दास महाराज,, पुजारी संजू दास महाराज,, बजरज शरण दास महाराज,, पुजारी रामदास श्रीत्रिय महाराज ,पुजारी रामसेवक



शर्मा, पुजारी शिवकुमार शुक्ला, संत महेंद्र गिरी महाराज, पुजारी अवतार वन बाबा, आचार्य आनंद शास्त्री, संत ब्रजराज शरण तरसमा, संत रघुवर दास महाराज, रामभरण संत बालक दास महाराज, संत रविदास महाराज संत जयराम दास महाराज,, संत लोकमन दासगं महाराज, पंडित राम विनोद शुक्ला

,, पंडित शंभू दयाल शर्मा, पंडित सुरेश शुक्ला सहित दो दर्जन से अधिक संत महंत व पुजारीयों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया व्यवस्थाएं ब्रजराज सिंह तोमर, महावीर जैन, राधा कृष्ण गुप्ता, शंभू दयाल गुप्ता, सनी सिंह तोमर गौरव मॉडिल, दीपू सिंह कुशवाहा, आदि के द्वारा देखी गई



पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

14 अगस्त को खाता खेड़ी की समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन, इकराम खान का आह्वान

सहारनपुर। चार दिन पहले हमने कहा था कि खाता खेड़ी की सड़कों, नालों और जलभराव की समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। अब वह दिन आ गया है। 14 अगस्त 2026 को खाता खेड़ी क्षेत्र की जनसमस्याओं और नगर निगम की कथित लापरवाही के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष इकराम खान ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

सोनी पेट्रोल पंप मामले में प्रशासन की त्वरित जांच, मिलावट की पुष्टि नहीं

सोशल मीडिया पर दो दिन पहले सोनी पेट्रोल पंप के पेट्रोल में मिलावट की खबर वायरल हुई थी। मामला जनसुनवाई तक पहुंचने के बाद अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लिया और ग्वालियर से जांच दल बुलाकर पेट्रोल पंप का निरीक्षण कराया। जांच के दौरान पेट्रोल के सैंपल और पंप की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों के अनुसार पेट्रोल में पानी या किसी अन्य तरह की मिलावट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि पेट्रोल में मौजूद इथेनॉल के कारण कभी-कभी उसका स्वरूप अलग दिखाई दे सकता है, जिसे मिलावट समझ लिया जाता है। फिलहाल जांच के बाद अधिकारियों ने मिलावट की आशंका को खारिज किया है।

समाजसेवा, वीरता एवं साहसिक कार्यों के लिए दिए जायेंगे नगद पुरस्कार

ग्वालियर, जीएनएस। समाजसेवा, वीरता एवं साहसिक कार्यों के माध्यम से समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 के लिए छह राज्य स्तरीय एवं एक जिला स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से 31 अगस्त 2026 तक आवेदन

आमंत्रित किए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती उपासना राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रानी अवंतीबाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार बालिका/महिला को, राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार बालिका/महिला को तथा विष्णु कुमार समाज सेवा पुरस्कार संस्था/व्यक्ति को प्रदान किया

जाएगा। इन तीनों पुरस्कारों के तहत एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार पुरुष/महिला को राज्य स्तर पर एक लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र तथा जिला स्तर पर 50 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार पुरुष/महिला तथा अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार महिला को प्रदान किया जाएगा।

भितरवार में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, उमड़ा देशभक्ति का जनसैलाब

ग्वालियर, जीएनएस। हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्वालियर शहर सहित जिले के कस्बों व गांवों तक तिरंगा यात्रायें निकाली जा रही हैं। इस क्रम में गुरुवार को भितरवार में निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि तिरंगा



केवल एक ध्वज नहीं, देश के प्रति समर्पण, सम्मान और गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नगर परिषद भितरवार में यह

भव्य तिरंगा यात्रा निकली। तिरंगे की शान में निकली इस यात्रा में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरा नगर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया और चारों ओर भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के जयघोष गुंजते रहे। तिरंगा यात्रा में विधायक श्री मोहन सिंह राठौड़, एसडीएम श्री राजीव समाधिषा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की।

भारत माता की हुई आरती, वंदेमातरम का सराबोर जयघोष

बालाघाट। भारतीय जनता पार्टी के आव्हान और भारतीय जनता युवा मोर्चा के सहयोग से हर-घर तिरंगा, घर-घर अभियान 2026 के तहत देशभक्ति, राष्ट्र की एकता और अखंडता से ओतप्रोत नगर में भव्य व दिव्य तिरंगा यात्रा संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक से निकली। जो हनुमान चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक होते हुए कालीपुतली चौक, भारत माता चौक में संपन्न हुई। जहां भारत माता की आरती कर वंदेमातरम का जयघोष किया गया। यात्रा में भारत माता के

जयकारों के साथ माहौल सराबोर हो गया। यहां हाथों में लिए तिरंगे की शान ने देशभक्ति का भाव जगा दिया। इस दौरान छत्र-छात्राओं की रैली में भागीदारी आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं जगह-जगह नगरवासियों ने यात्रा का आत्मीय स्वागत-सत्कार किया। उल्लेखनीय रहे इस यात्रा को सफल बनाने में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने सराहनीय योगदान दिया। देश के प्रति समर्पण-भाजपा जिलाध्यक्ष सपापन में भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कांवरे ने कहा राष्ट्र का



गौरव उत्सव, जनभागीदारी का संकल्प है। हम सबका इस महत्वपूर्ण यात्रा में योगदान निर्णायक है। लहराता हुआ तिरंगा हमें अपने वीर शहीदों के त्याग, बलिदान और देश के प्रति समर्पण

की याद दिलाता है। आइए, हम सभी मिलकर तिरंगे की आन, बान और शान को बनाए रखने का संकल्प लें। वहीं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा,

तिरंगा यात्रा स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देश की आजादी में अपने प्राणों की आहुति देने वाले देशभक्तों का सच्चा सम्मान है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत अनुष्ठान है। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण का प्रतिबिम्ब है। आइए हम सब तिरंगे के सम्मान में हर-घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा फहराये। जय हिन्द! इस अवसर पर देश भक्ति, जोश, जज्बा और जुनून के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम

बिसेन, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, जिला उपाध्यक्ष गोपाल आडवाणी, जितेन्द्र सिंह मोहारे, जिला महामंत्री संजय मिश्रा, डां नरेंद्र भैरम, अभय सेठिया, किरण भाई त्रिवेदी, रूपेश वैध, मोनिल जैन, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मीना राहंगडाले, सिद्धांत पाटिल, यशवंत लिलहारे, रमाकांत डहाके, राकेश सेवईवार, डिल्लन सिंह ताराम, अभय कोचर, अजय मिश्रा, राजेश पाठक, संजय गौतम, भाजयुमो जिलाध्यक्ष पूर्व गजेन्द्र भारद्वाज, भाजयुमो यात्रा प्रभारी प्रज्जवल चौरसिया आदि।

‘राजनितिक पारदर्शिता से बनेगा भारत महाशक्ति’

नरेंद्र तिवारी

भारत अपनी स्वतंत्रता की वर्षगांठ बना रहा है। यह अवसर देश के गौरवगान के साथ यह याद रखने का भी है की आजादी अनगिनत बलिदानों, संघर्षों और लम्बी चली लड़ाई के परिणाम स्वरूप प्राप्त हुई है। इसकी रक्षा हर भारतीय नागरिक का पहला दायित्व होना चाहिए। 15 अगस्त आजादी का वह पुनीत अवसर है, जब हम भारतीय



अंग्रेजों की 200 वर्ष की गुलामी से आजाद हुए। गोरे अंग्रेज जिन्होंने भारत की पूज्य धरा के संसाधनों का दोहन किया। जिन्होंने आम भारतीय नागरिकों की खाल उधेड़कर राजस्व उगाही की प्रक्रिया को बरसो तक जारी रखा, अंग्रेजों के अनाचार एवं अत्याचार के परिणाम स्वरूप भारतीय जनमानस आंदोलित होने लगा, अंग्रेजों के प्रति आक्रोश की यह ज्वाला सन 1857 में भड़की जब एनफील्ड राइफल के कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी होने की अफवाह फैली 29 मार्च 1857 को बैरकपुर में मंगल पांडे ने इसी मुद्दे

पर विद्रोह का बिगुल बजा दिया था। किन्तु इस विद्रोह को एक मात्र कारण तक सिमित नहीं किया जा सकता है। इस क्रांति के पीछे अनेकों तात्कालिक राजनितिक, सामाजिक एवं आर्थिक कारण भी रहे हैं। इस क्रांति के बाद अंग्रेजों के खिलाफ छुटपुट आंदोलन चलते रहे किन्तु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद आजादी के आंदोलन में गति आई, जिसमें दादा भाई नौरोजी और गोपाल कृष्ण गोखले जैसे नेताओं ने शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से सुधार की मांग की, इतिहास इसे नरमपंथी चरण 1905 से 1919 तक मानता है, इसके बाद अगला चरण लाल, बाल और पाल के रूप में जाना है जिसमें स्वराज्य की मांग को बढ़ावा दिया गया। मोहन दास करमचंद गांधी के पदार्पण के बाद याने 1919 से 1947 तक के कालखंड को गांधीवादी युग की संज्ञा दी गयी है। इस दौरान असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और फिर भारत छोड़ो आंदोलन जैसे विशाल जन आंदोलनों ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया गया। आजादी की प्राप्ति के लिए सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्र शेखर

आजाद जैसे महान क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। आजादी बेशकीमती और बहुमूल्य है, इसमें हजारों भारतीयों के बलिदान शामिल हैं।

अब जब हम अंग्रेजों की 200 बरसों की गुलामी से आजाद हुए, अपने संविधान से शासित होने लगे, स्वतंत्रता का सूरज अपने प्रकाश फैलाने लगा, 26 नवम्बर 1949 को अपनाए गए संविधान के प्रावधानों के तहत चुनाव कराए गए। अब देश में भारत की सरकार कार्यरत थी। शुरुवाती दौर में स्वतंत्रता आंदोलन से निकले नेताओं ने भारत के निर्माण में पारदर्शिता रखी। भारत के नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने की कोशिश की गयी। देश के नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास स्वतंत्रता के 8 दशक बीतने के बाद भी जारी है। यह आगे भी जारी रहेगा, रहना भी चाहिए। नागरिकों के जीवन में बदलाव शासन का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। किन्तु देश की राजनीति में बीते 40-50 सालों में राजनितिक पारदर्शिता का आभाव देखा जा रहा है। सत्ता देश की भलाई से अधिक कमाई का साधन हो गयी है, मूल्य धाराशाही हो गए। जन प्रतिनिधियों और

नौकरशाहों की जुगलबंदी के फलस्वरूप आर्थिक अनियमितता के किस्से गाँव-गाँव, शहर-शहर देश-प्रदेश की राजधानीयों में देखे सुने जाने लगे। चुनावी सफलता सबसे बड़ी ताकत हो गयी, संघर्षों का हवाला देकर चुनावी रण में विजय हुए माननीय का जीवन कुछ बरसों में ही परिवर्तित हो जाता है। चुनाव जन सेवा से अधिक व्यापार हो गयी, जिसमें चुनाव के समय खर्च की गयी पूँजी को वसूला जाता है, नेता चुनाव लड़ने के लिए भी कर्ज लेते हैं, जिसकी भरपाई के लिए बेईमानी का सहारा लिया जाता है। बड़े सियासी दल उद्योग घरानों से चुनावी चंदा लेकर उन्हें फायदा पहुंचाने के कार्य में लगे हुए हैं। अचम्भा इस बात का है की राजनितिक दल वर्तमान में सीधे तौर पर सूचना का अधिकार अधिनियम के दायरे में नहीं आते हैं, इसलिए उनके चुनावी चंदे की जानकारी आरटीआई के तहत नहीं मांगी जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में चुनावी चंदे में पारदर्शिता को लेकर कई याचिकाए लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड योजना को असंवैधानिक करार देकर रद्द कर दिया था। क्योंकि वह नागरिकों के जानने के

अधिकार का हनन करती है।

व्यवस्था में व्याप्त बेईमानी भारत के सुपर पावर बनने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा शाबित हो रही है। ग्रामीण विकास की सबसे छोटी इकाई ग्राम पंचायत के विकास की राशि में अनियमितता सम्पूर्ण भारत में एक सी है। यहाँ जिला स्तर के अधिकारी के जेब गरम करने के बाद प्राप्त हुई राशि जनपद के अधिकारी के हिस्से में बटती हुई ग्राम पंचायत तक आते-आते आधी हो जाती है, नगरपालिका, नगरनिगम, विधानसभा और लोकसभा के विकास की राशि भी तो पंचायत की तरह कमीशन का हिस्सा बन रही है। एक नारा किसी दल ने दिया जिस पर अमल तो लम्बे से हो रहा था, वह है डबल इंजिन की सरकार यह क्या है? मतलब मतदाताओं को भरमाने का तरीका की ऐसा नहीं किया तो विकास की गति रुक जाएगी। मतलब सत्ता होंगी तो विकास होगा यह भेद मतदाताओं के साथ किया जाना प्रजातंत्र का मखौल उड़ाना है। देश हो प्रदेश विधायक हो या सांसद सत्ता पक्ष पर अपने क्षेत्र की उपेक्षा के आरोप लगाता ही है। सरकार द्वारा इस प्रकार की उपेक्षा नहीं की जाना चाहिए। देश में मुफ्त

की सुविधाओं से भी नागरिक समाज में अकर्मन्यता व्याप्त हो गयी है। देश का निर्माण सक्रिय मानव शक्ति से ही सम्भव है। देश के नागरिकों के जीवन में बदलाव लाना सरकार का लक्ष्य होना चाहिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार नागरिक समाज की बड़ी समस्याओं में से है। ऐसा नहीं है, की आजादी के 8 दशकों में देश न बदला हो, देश ने विकास के नवीन आयामों को तय किया है। किन्तु जिस गति से हमें बढ़ना था, उस चाल से हम नहीं बढ़ पा रहे हैं। राजनीति में व्याप्त अनियमितता, देश को दीमक की तरह चाट रही है। भारत को सुपर पावर, महाशक्ति बनने का जो सपना राष्ट्रप्रेमी देखते हैं। राजनितिक भ्रष्ट आचरण इन सपनों पार कुठाराघात करता है। राजनितिक पारदर्शिता से ही भारत महाशक्ति बन सकता है, इस हेतु यह जरूरी है की सरकारी भ्रष्ट आचरण को रोकने वाली एजेंसियों का उपयोग दल हित में करने के बजाए राष्ट्र हित में किया जाए। दल बदल पर कठोर कानून बनाया जाए। ईमानदार नेताओं का अभाव हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। इस हेतु सामूहिक प्रयास किये जाने चाहिए।

फ़नकारों के संस्कारों का आईना...

वो नसीर हों या अनुपम, कला के अपने रंग हैं, कंगना की अपनी बेबाकी, सबके अपने ढंग हैं। कलाकार की पहचान केवल पर्दे से नहीं होती, शब्दों की मर्यादा में भी उसकी तस्वीर पिराती। अनुपम ने मंच सजाया, नसीर किरदार निभाए, कंगना ने बेबाक शब्दों से अपने विचार बताए। मतभिन्नता हों गम नहीं, लोकतंत्र में मतभेद रहें, यूँ संवाद की भाषा में सम्मान के कुछ शब्द रहें। नाम बड़े, कला बड़ी हो, तो जिम्मेदारी भी बड़ी, शब्द किसी के दिल तोड़ें, उपलब्धि लगे अधूरी। जन्म से मिले संस्कारों का असर कहीं आता है, इंसान यहाँ कर्मों से ही अपना परिचय पाता है। भले शाह हों या हो खेर, रनौत हों या कोई और, कला माध्यम बने, न हो विचारों में जंग का शोर। फ़नकार वही जो असहमति भी सम्मान से कहें, अपने शब्दों से समाज में घृणा नहीं, संवाद बहें। (संदर्भ –सेलिब्रिटी तब बोलेंगे जब उनके मुंह से %हट्टी% गिरेगी-नसीरुद्दीन शाह)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

हरियाली एवं तिरंगा यात्राओं का आयोजन, एकता और हरियाली का संदेश दिया

श्यापुर, जीएनएस।

हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था जय हिन्द कल्याण समीति द्वारा आज कराहल विकासखंड के बरगवां सेक्टर केन्द्र पर नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का भव्य रूप में आयोजन किया गया। इसके साथ ही तिरंगा यात्रा का आयोजन कर एकता, भाईचारे का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम, ग्राम पंचायत बरगवां के सरपंच श्री पून्या पटेलिया, शासकीय विद्यालय के शिक्षक श्री पून पाल, श्री चन्दन सिंह लोधी, एमपी बोर्डिंग स्कूल के शिक्षक श्री रामू पटेलिया सहित नवांकुर संस्था के अध्यक्ष श्री दिलीप पटेलिया एवं नवांकुर संस्था के सदस्य तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों के



साथ ग्रामीणों ने भागीदारी की।

कार्यक्रम की शुरुआत में बरगवां के माता मंदिर पर नवांकुर सखियों को नवांकुर संस्था द्वारा निशुल्क पौधे प्रदान किये गए। पौधों को लेकर माता मंदिर से बरगवां के मुख्य मार्गों से होते हुए महिलाओं द्वारा सावन के लोकगीत गाते हुए ग्राम पंचायत भवन पर हरियाली यात्रा का समापन हुआ तत्पश्चात ग्राम पंचायत भवन से नवांकुर सखियों द्वारा ग्राम के युवाओं तथा

ग्रामीणों के साथ भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन देशभक्ति के जयकारों के साथ किया गया। तिरंगा यात्रा में देशभक्ति का जज्बा संजोये हाथों में देश भक्ति की आन बान और शान तिरंगा लिए भव्यता के साथ तिरंगा यात्रा निकालकर एकता और देशभक्ति के संदेश को जन जन तक पहुंचाया।

तिरंगा यात्रा का समापन ग्राम पंचायत भवन बरगवां पर हुआ समापन के अवसर पर जन

अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि हमें हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाये रखने के लिए हर घर एक पौधारोपण अवश्य करे। एक पेड़ माँ के नाम भी हम पौधारोपण कर सकते हैं, माध्यम कोई भी हो लक्ष्य पर्यावरण को संरक्षित करना होना चाहिए। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम ने बताया कि जब जब तिरंगा हम अपने हाथों में लेते हैं हमारे अन्दर स्वतः ही देशभक्ति का भाव जाग्रत हो उठता है हम स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति का जज्बा लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े होते हैं। देशभक्ति के गीत और देशभक्तों के जयकारों से हमारा रोम रोम देश के लिए कुछ करने का संदेश देता है। हमारे इस देशभक्ति के भाव को हर दिन कायम रखने के लिए हमें महापुरुषों की जीवनगाथाओं को पढ़ने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में नवांकुर संस्था जय हिन्द कल्याण समीति के अध्यक्ष श्री दिलीप पटेलिया ने पर्यावरण संरक्षण एवं देश की एकता और अखण्डता को लेकर शपथ दिलाई, साथ ही सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में जय हिंद समाज कल्याण समिति के सचिव श्री बाबू सिंह, श्री कुल सिंह पटेलिया, श्री मुन्ना पटेलिया उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में नवांकुर सखियां- श्रीमती सुनीता बिलवाल, श्रीमती प्रीति सेन, श्रीमती संगीता, श्रीमती सुनीता, श्रीमती धुली पटेलिया, श्रीमती मिकुडी बाई तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गढ़ला के अध्यक्ष श्री दिनेश पटेलिया, बरगवां समिति के अध्यक्ष श्री रामेश्वर जाटव, सचिव श्रीमती प्रीति सेन, हसनपुर समिति के अध्यक्ष श्री गोविंद, सचिव श्री प्रकाश, श्री चंदन सिंह लोधी, श्रीमती पूनम एवं नवांकुर सखियां उपस्थिति रही।

क्राइम ब्रांच ग्वालियर की स्थाई वारंटी के खिलाफ कार्यवाही

कई गंभीर अपराधों में विगत 09 वर्ष से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को पुलिस ने शिवपुरी से किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ हेतु अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. प. सु. लि. स. अधीक्षक (पश्चिम/अपराध) श्रीमती सुमन गुर्जर(भापुसे) के द्वारा क्राइम ब्रांच ग्वालियर की

टीम को फरार स्थाई वारंटियों के संबंध में सूचना एकत्रित कर कार्यवाही हेतु लगाया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार डीएसपी अपराध श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार एवं डीएसपी अपराध श्री मनीष यादव के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अपराध निरी0 अमित शर्मा के द्वारा क्राइम ब्रांच पुलिस की एक टीम को थाना अपराध शाखा के अप0क्र0-35/17 में फरार

एवं माननीय न्यायालय से प्र0क्र0 5748/17 में जारी स्थाई वारंटी रामाधार गुर्जर उर्फ कांडी को पकड़ने हेतु लगाया गया। दौरान तलाशी पुलिस टीम को तकनीकी सहायता के आधार पर जानकारी मिली कि उक्त प्रकरण में फरार चल रहे स्थाई वारंटी को करैरा, शिवपुरी में है। उक्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने शिवपुरी में जाकर तलाश की तो जरिए मुखबिर ज्ञात

हुआ कि उक्त वारंटी ग्राम अमोला थाना करैरा शिवपुरी में है। जिस पर से पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो ग्राम अमोला की मैनरोड पर वारंटी खड़ा मिला जिसे पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामाधार उर्फ कांडी गुर्जर पुत्र मुंशी सिंह गुर्जर उम्र 45 साल निवासी शंभूपुरा थाना गिरवाई जिला ग्वालियर का होना बताया। पुलिस द्वारा उक्त

वारंटी को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

उक्त वारंटी थाना अपराध, थाना गिरवाई, एवं थाना घाटीगांव में दुष्कर्म, एससी/एसटी एक्ट, आर्म्स एक्ट, रंगदारी के प्रकरणों में फरार चल रहा था, जिसके विरुद्ध माननीय न्यायालय से कुल 04 स्थाई वारंट एवं 01 गिरफ्तार वारंट जारी किया गया था।

गिरफ्तार स्थायी वारंटी-

रामाधार उर्फ कांडी गुर्जर पुत्र मुंशी सिंह गुर्जर उम्र 45 साल निवासी शंभूपुरा थाना गिरवाई जिला ग्वालियर।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी अपराध निरी0 अमित शर्मा, प्र.आर. संजय शुक्ला, आर. जयहिंद जादौन, आर. सत्यम शर्मा, आर. अभिषेक शर्मा, आर. अरविंद शर्मा, साइबर सेल से आर. अजय राठौर की सराहनीय भूमिका रही है।

हर घर तिरंगा अभियान : माधव महाविद्यालय से महाराज बाड़े तक निकली विशाल तिरंगा रैली



ग्वालियर जीएनएस
हर घर तिरंगा अभियान के तहत माधव महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वाधान में विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। हाथों में

तिरंगा लेकर विद्यार्थी भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष करते हुए निकले। इससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। रैली महाविद्यालय परिसर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए महाराज बाड़े तक पहुंची। विद्यार्थियों ने लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. मनोज अवस्थी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय

कुमार पांडे, डॉ. सरिता दीक्षित, एनसीसी अधिकारी मुलायम सिंह, डॉ. संतोष शर्मा, डॉ. राजेश मिश्र सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना था। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और इसे हर घर तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का गौरव है।

कलाकारों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां; तिरंगा थीम में सजा चौराहा

‘एक शाम राष्ट्र के नाम’ में देशभक्ति गीतों से गुंजा इंदरगंज चौराहा

ग्वालियर जीएनएस
स्वतंत्रता दिवस के दो दिन पूर्व एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी की ओर से गुरुवार को इंदरगंज चौराहे पर ‘एक शाम राष्ट्र के नाम’ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों की गुंजा और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

इंदरगंज चौराहे को तिरंगा थीम पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जैसे ही देशभक्ति गीतों की धुनें गुंजा शुरू हुई, चौराहे से गुजर रहे लोग कुछ देर के लिए रुककर कार्यक्रम देखने लगे। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया।

कविता से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ: कार्यक्रम की शुरुआत इक्षिता सिंह के देशभक्ति कविता पाठ से हुई। इसके बाद रोनिता दत्ता ने ‘मेरा देश है रंगीला’, पुष्कर कुशवाहा ने ‘मिले सुर मेरा



तुम्हारा’, करन पाल ने ‘फिर भी दिल है हिंदुस्तानी’, वैष्णवी बाजपेयी ने ‘भारत अनोखा’ और राघव शर्मा ने ‘सुनो गौर से दुनिया वालों’ की प्रस्तुति दी।

इसके अलावा उवान्श गोयनार ने ‘फिर भी दिल है हिंदुस्तानी’, विनायक चतुर्वेदी ने ‘आरंभ है प्रचंड’, वंदना चतुर्वेदी ने ‘संदेश आते हैं’, दिव्या चौहान ने ‘एक तेरा नाम है सांचा’, अवनी रस्तोगी ने ‘वंदे मातरम्’, प्रांजल तोमर ने ‘तिरंगा’, अंशिका रस्तोगी ने ‘ऐ वतन’, रेनाया यादव ने

देशभक्ति गीतों का मिश्रण, वीयना लालवानी ने ‘नन्हा-मुन्ना राही हूं’, इनाया लालवानी ने ‘मां तुझे सलाम’, त्रिम्बिका वाजपेयी ने ‘ओ देश मेरे’ और मोहित मीना ने ‘छल्ला’ की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

20 वर्षों से हो रहा आयोजन : संस्था के अध्यक्ष संजय कडुल ने बताया कि एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी पिछले 20 वर्षों से लगातार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ‘एक शाम राष्ट्र के नाम’

का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य युवाओं और बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के साथ उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। इस वर्ष भी एकल, युगल और समूह नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दी गईं।

जनप्रतिनिधि और समाजसेवी रहे मौजूद : कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष एवं विधायक लशकर शिवम रानू राजावत, पूर्व विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन, पूर्व विधायक भांडेर घनश्याम पिरोनिया, संजीव सिंघल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। इसके अलावा प्रवीण अग्रवाल, संदीप नारायण अग्रवाल, हेमंत गुप्ता, राजेंद्र सेठ, संजय वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी और व्यवसायी उपस्थित रहे।

विदेशी कर्ज से आजादी के लिए हिंदू महासभा ने किया सद्बुद्धि यज्ञ



ग्वालियर जीएनएस
अखिल भारत हिंदू महासभा जिला ग्वालियर की ओर से बुधवार को दौलतगंज स्थित हिंदू महासभा भवन में देश को विदेशी कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार की सद्बुद्धि की कामना को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ किया गया। यज्ञ में सातों जातियों के यजमानों ने भाग लिया। यज्ञ में हिंदू महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन, संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता, योगेंद्र दीक्षित, युवा जिला अध्यक्ष आनंद माहौर, हेमराज सिंह, धर्मेन्द्र बरेलिया और रोहित जाटव सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

आजादी के बलिदानियों को किया नमन : अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

डॉ. जयवीर भारद्वाज ने कहा कि देश की आजादी का उत्सव पंचांग की तिथि के अनुसार सावन कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में हिंदू महासभा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस के नेतृत्व में देश का विभाजन हुआ और लाखों देशभक्तों को अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा। उन्होंने बलिदानियों को नमन किया। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि देश को अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई लड़ाई लड़ने की जरूरत है। उन्होंने विदेशी कर्ज को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि देश को कर्ज के बोझ से मुक्त कराने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

भारत मंडपम में भारतीय व्यापार महोत्सव का अवलोकन, भोपाल में भी होगा आयोजन; स्वदेशी उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर

आईटीपीओ के साथ मिलकर ग्वालियर व्यापार मेले को देंगे नया स्वरूप

ग्वालियर जीएनएस
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह गुर्जर ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव का अवलोकन किया। उन्होंने कैट की पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि आईटीपीओ के साथ मिलकर ग्वालियर व्यापार मेले को भी नए स्वरूप में विकसित करने के लिए बड़े स्तर पर काम किया जाएगा।

स्वदेशी उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल : स्वदेशी वस्तुओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान

दिलाने के उद्देश्य से भारत मंडपम में चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश के व्यापारिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल की भावना को साकार करने के लिए कैट और आईटीपीओ ने मिलकर यह आयोजन किया है। यह केवल व्यापार का आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का



उत्सव है। विदेशों में भी आयोजित होंगे व्यापार महोत्सव : खंडेलवाल ने कहा कि आने वाले समय में कैट और आईटीपीओ देश के प्रमुख शहरों के साथ-साथ रूस, अफ्रीका और उन देशों में भी भारतीय व्यापार महोत्सव आयोजित करेंगे, जिनके साथ

भारत ने मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। **भोपाल में भी होगा भारतीय व्यापार महोत्सव :** कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने कहा कि आने वाले समय में भोपाल में कैट और आईटीपीओ के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय व्यापार महोत्सव आयोजित किया

जाएगा। इसकी तिथि पदाधिकारियों की बैठक में तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन में जिम्मेदारी लेकर सक्रिय रूप से काम करने वाले लोगों को आगे आकर इस अभियान को मजबूत करना चाहिए।

नए पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी : बैठक में संयुक्त अध्यक्ष गोविंद असादी, प्रदेश मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र शर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी भारत भूषण अग्रवाल, संगठन महामंत्री राजकुमार गुप्ता, महामंत्री जितेंद्र पचौरी, उमेश तिवारी, महिला विंग की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रीना गांधी

सहित अन्य पदाधिकारियों ने विचार रखे। इस दौरान पवन जैन शिवपुरी और संदेश जैन जबलपुर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चंद्रप्रकाश शिवहरे को प्रदेश उपाध्यक्ष, राजा भैया को जबलपुर संभाग महामंत्री और प्रशांत गोयल को सोशल मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में कैट के नेशनल चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, सीनियर वाइस चेयरमैन सत्यभूषण जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता पाटिल सहित विभिन्न जिलों से आए व्यापारिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।